जैन गजट का 'भ. महावीर जयंती विशेषांक'

आगामी 21 अप्रैल, 2024 को तीर्थंकर भ. महावीर स्वामी की जन्म जयन्ती पर जैन गजट का दिनांक 15-22 अप्रैल, 2024 का अंक भ. महावीर स्वामी जयन्ती विशेषांक के रूप में प्रकाशित होगा। इस अंक हेतु पूज्य आचार्यों, मुनिराजों के लेख, विद्वानों के लेख, कवितायें सादर आमंत्रित हैं। इस विशेषांक के माध्यम से दीजिये शुभकामना एवं बधाई के विज्ञापन।

विज्ञापन हेतु संपर्क कीजिये-
7505102419, 9415008344, 9415108233, 7607921391

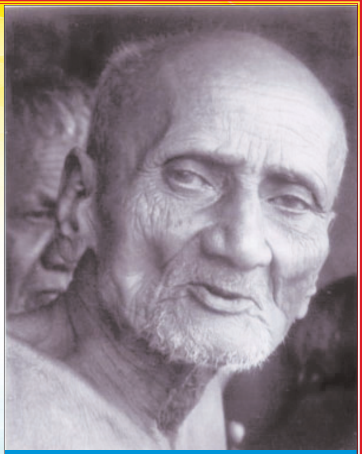

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य
चारित्र चक्रवर्ती
परम पूज्य आचार्य श्री शांति सागर जी

1 दिसम्बर 1895 से प्रकाशित जैन समाज का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक

जैन गज़ट

www.Jaingazette.com

वर्ष 30 अंक 20 कुल पृष्ठ 12 लखनऊ, प्रकाशन तिथि- सोमवार 25 मार्च 2024, वीर नि. संवत् 2550

Unit : Sri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha jaingazette2@gmail.com

कुंडलपुर में 16 अप्रैल को होगा आचार्य पदारोहण समारोह

ज्येष्ठ श्रेष्ठ निर्यापक मुनि श्री समय सागर जी को सौंपा जाएगा आचार्य पद

राजेश जैन रागी, संवाददाता

कुण्डलपुर (दमोह), 20 मार्च 24। परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की गत 18 फरवरी 24 को समतापूर्वक समाधि उपरांत उनकी परम्परा को आगे बढ़ाने हेतु बहुप्रतीक्षित तिथि आज घोषित कर दी गई। आचार्य पद पदारोहण अनुष्ठान/महामहोत्सव की तिथि आगामी 16 अप्रैल 2024 मंगलवार को घोषित की गई है। यह महामहोत्सव आचार्य श्री की तपस्थली श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जिला दमोह मध्यप्रदेश में बुन्देलखण्ड की पावन धरा पर विविध कार्यक्रमों के साथ होगा। शेष पृष्ठ 05 पर

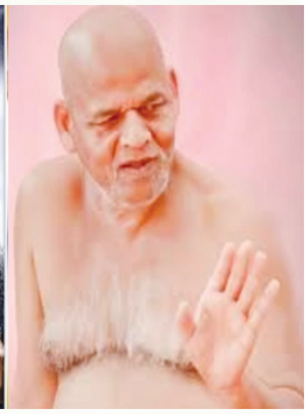

WONDERFUL 12 Nights / 13 Days
EUROPE
24 APRIL, 2 JUNE, 16 JUNE, 20 SEP
यूरोप जैन मंदिर के दर्शन
FRANCE, PARIS, ITALY
AUSTRIA, AMSTERDAM
GERMANY, SWITZERLAND
100% Pure Vegetarian Jain Food
VAYUDOOT WORLD TRAVELS PVT. LTD.
Mob : +91 9313338256, 9810408256, 9818312056
Email : vayudoottravels@gmail.com • Website: www.vayudoottravels.in

आचार्यश्री विद्यासागर जी को विनयांजलि हेतु विनयांजलि विज्ञापनों का प्रकाशन

संत शिरोमणी परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज को विनयांजलि देने हेतु दो पृष्ठों में एक वर्ष (12 माह) तक विनयांजलि के विज्ञापन प्रकाशित होंगे। आपकी विनयांजली भी संक्षिप्त में सादर आमंत्रित है, इसके लिये सम्पर्क करने की कृपा करें -

ब्रांच ऑफिस
101, सुशीला एनक्लेव, जैन मन्दिर के सामने, एवरेस्ट कॉलोनी, लाल कोठी, जयपुर

ब्रांच ऑफिस
145-सी, सरत बोस रोड, कोलकाता

ब्रांच ऑफिस
आदर्श वाले फैन्सी बाजार गुवाहाटी

शेखर चन्द पाटनी
राष्ट्रीय संवाददाता जैन गजट
R. K. Advertising
मदनगंज-किशनगढ़ (राज.)मो. 9667168267

अति प्राचीन मनोरथ पूर्ण 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र, प्रभुसर हस्तेड़ा जयपुर

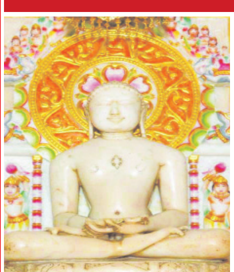

869 साल प्राचीन मूलनायक श्री मुनिसुव्रतनाथ प्रतिमा

शांतिधारा का प्रसारण

LIVE
आरती : 7:15 - 7:45 AM
शांतिधारा : 8:30 AM

@jainmandirhasteda
नामांकित शांतिधारा पुण्यार्जन के लिए संपर्क करें:
अमित शर्मा (Manager)-9783016885

नामांकित शांतिधारा के लिए किसी भी राशि का आग्रह नहीं है।

हस्तेड़ा जैन मंदिर
दूरी-दिल्ली से 250 किमी.एवं जयपुर से 65 किमी.
संपर्क सूत्रः
नितिन कुमार पाटनी (मंत्री)
9001255955
मनीष जी गंगवाल (कोषाध्यक्ष)
095880-20330

JK MASALE SINCE 1957

Buy online on jkcart.com

— Breakfast Matlab —
JK POHA
Shudh Khao Swasth Raho...

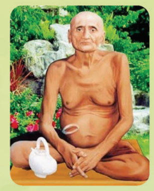

चरित्र चक्रवर्ती
आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज

स्मृति दिवस

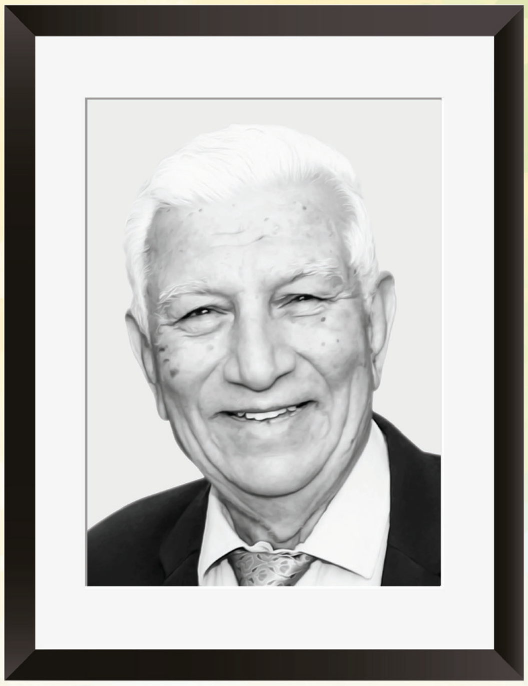

स्व. निर्मल कुमार जैन सेठी

(8 जुलाई, 1938 - 27 अप्रैल, 2021)

जैन धरोहर दिवस

दिनांक:
27 अप्रैल 2024
शनिवार

स्थान:
श्री जैन मठ
श्रवणबेलगोला

दिनांक:
28 अप्रैल 2024
रविवार

स्थान:
आचार्य महाप्रज्ञ चेतना केंद्र
बेंगलूरू

आयोजक
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर
जैन महासभा, नई दिल्ली

विनीत
सेठी ट्रस्ट
गुवाहाटी

संयोजक
एस डी जे एम आई मैनेजिंग कमेटी, श्रवणबेलगोला
श्री दिगम्बर जैन समाज, बेंगलूरू

हार्दिक शुभकामनाओं सहित...

SANTOSH JAIN & ASSOCIATEL
SWATI VINIMAY & CONSULTAN PVT. LTD
ANAMICA TRADERS PVT. LTD.
L. N. FINANCE PVT. LTD.

OFFICE
CITY TRADE CENTER,
PNB Building, 4th Floor, A.T. Road, Guwahati-781001
M. : 94350-48488 (O) / 97060-48488 (R) / 99574-97927

सी. ए. (डॉ.) संतोष काला | श्रीमती सरिता काला | संदीप-स्वाति पाटनी | श्रेयांस काला

RESIDENCE : 401/501, Abhinandan Appartment, 4th Floor, H.S.Road, Chhatribari, Guwahati-781008
E-mail : casantoshkala@gmail.com

SHREE COMPLEX & SHREEMAN COMPLEX, P. O. BIJOYNAGAR-781122, DIST-KAMRUP (ASSAM)

त्रिलोक तीर्थधाम में मनाया गया सन्मतिसागर समाधि स्मृति दिवस

पुनीत जैन

बड़ागांव। त्रिलोकतीर्थ (मनोज जैन नायक) दिगम्बराचार्य विद्याभूषण सन्मतिसागर महाराज का समाधि स्मृति दिवस त्रिलोकतीर्थ धाम बड़ागांव (बागपत) में 17 मार्च को विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। श्री त्रिलोकतीर्थ धाम कमेटी के कार्याध्यक्ष महेंद्र जैन मधुवन द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार आचार्य शांतिसागर महाराज छाणी परंपरा के पंचम पट्टाचार्य राष्ट्रऋषि, सिंहरथ प्रवर्तक, त्रिलोकतीर्थ प्रणेता आचार्य विद्याभूषण, सन्मतिसागर महाराज का गुरुसमाधि-स्मृति दिवस महोत्सव रविवार 17 मार्च को विश्व की प्रथम अलौकिक कृति त्रिलोकतीर्थ धाम में ऐलाचार्य श्री त्रिलोकभूषण महाराज, ऐलाचार्य श्री प्रभावना भूषण महाराज, आर्यिका चंद्रमती माताजी, मुक्तिभूषण माताजी, दृष्टिभूषण माताजी, अनुभूति भूषण माताजी सहित अनेकों साधु संत एवम ब्रह्मचारी भैयाजी एवम दीदियों के पावन सान्निध्य में मनाया गया। अतिशय क्षेत्र बड़ागांव के त्रिलोक तीर्थ धाम में रविवार को आचार्य विद्याभूषण सन्मति सागर जी महाराज की 11वीं पुण्यतिथि धूमधाम से मनाई गई। अनुष्ठान में बड़ी संख्या में जैन धर्मावलंबी शामिल हुए तथा गुरु समाधि पर पुष्प अर्पित किए। वहीं जैन संत और साध्वियों ने उन्हें आशीर्वाद दिया। अनुष्ठान सुबह पारस प्रभु की पूजा अर्चना और अभिषेक के साथ शुरू हुआ। ब्रह्मचारी नवीन भइया ने मंडप और गुरु समाधि का मंत्रों सहित जल और पीली सरसों से शुद्धिकरण किया। नरेश जैन मोहित जैन और रोहित जैन ने संयुक्त रूप में दीप प्रज्वलित किया। सुशील जैन, अमित जैन, हर्षित जैन, श्यामलाल जैन, आदेश जैन, सिद्धार्थ जैन, उमेश जैन, वरुण जैन ने पारस प्रभु और विद्या भूषण सन्मति सागर महाराज के चित्रों का अनावरण किया।

इस दौरान श्री गजराज गंगवाल ने विद्याभूषण सन्मतिसागर जी महाराज के जीवन पर प्रकाश डाला। विद्या भूषण सन्मति सागर जी महाराज जैन समाज के प्रमुख संत थे। त्रिलोक तीर्थ धाम के वही प्रेरणास्त्रोत थे। उनके मार्गदर्शन में ही विश्व की यह अनोखी कृति बनी है। देश के साथ ही विदेश के श्रद्धालु भी यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। सन 2013 में उनकी समाधि हो गई थी। धर्मावलम्बियों ने महाराज की समाधिय पर श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प अर्पित कर उनकी पूजा की। ब्रह्मचारी नवीन भइया ने मंत्रोचार के जरिए पूजन कराया। मनमोहक संगीत की प्रस्तुति हुई। भावना म्यूजिक पार्टी ने भक्ति संगीत लहरी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रीता सिंह, राजेंद्र जैन, संजय जैन, पीयूष जैन, ऋतु जैन मुख्य अतिथि रहे महेंद्र जैन, त्रिलोक जैन आदि ने अतिथियों का स्वागत किया।

कुण्डलपुर महामहोत्सव में शामिल होंगे संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत जी

राजेश जैन रागी, संवाददाता

कुण्डलपुर (दमोह), 20 मार्च। दिगम्बर जैनाचार्य, समाधि सम्राट, राष्ट्र संत, संत शिरोमणि परम पूज्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज की परम्परा में नये आचार्य पद पदारोहण अनुष्ठान महामहोत्सव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत जी उपस्थित रहेंगे। यह महामहोत्सव 16 अप्रैल 2024, मंगलवार को कुण्डलपुर में बड़े बाबा देवाधिदेव श्री आदिनाथ भगवान के चरण सान्निध्य में होगा। भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय महामंत्री संतोष जैन पेंडारी के नेतृत्व में जैन समाज का प्रतिनिधि मण्डल नागपुर (महाराष्ट्र) में डॉ. मोहन भागवत जी से मिला। महामहोत्सव समिति के प्रशासनिक संयोजक रवीन्द्र जैन पत्रकार ने कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. भागवत जी ने गौर से सुनकर इस महोत्सव में आने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी। प्रतिनिधि मंडल में महोत्सव समिति की सह संयोजक डॉ. सुधा मलैया दमोह, कुण्डलपुर कमेटी के महासचिव और सांसद आर. के. जैन, सिद्धार्थ मलैया दमोह, स्वतन्त्र जैन खिमलासा, प्रभात सेठ, ललित जैन सर्राफ आदि शामिल थे।

महासभा द्वारा एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

डॉ. निर्मल कुमार जैन

भगवान महावीर के 2550वें निर्वाण महोत्सव के पावन अवसर पर श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा तथा प्राच्य विद्या एवं जैन संस्कृति संरक्षण संस्थान के तत्वावधान में ''वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता है'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन रविवार, दिनांक 7 अप्रैल 2024 को प्रातः 9:00 बजे से श्री खंडेलवाल दिगम्बर जैन मन्दिर परिसर, 5 राजा बाजार, कनॉट प्लेस के निकट, नई दिल्ली-110001 पर किया गया है। श्रुत संवर्धिनी महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. निर्मल कुमार जैन के अनुसार श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजराज जैन गंगवाल की अध्यक्षता में आयोजित संगोष्ठी में महासभा के पदाधिकारीगण एवं जैन संस्कृति तथा प्राच्य विद्या के लब्ध प्रतिष्ठित विद्वान भाग लेंगे। जैन विश्व भारती, लाडनू के प्राकृत एवं संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. जिनेन्द्र कुमार जैन, प्रो. लोकेश जैन उपाध्यक्ष, प्राच्य विद्या एवं जैन संस्कृति संरक्षण संस्थान की गरिमामयी उपस्थिति संगोष्ठी में होगी। आज के समस्याग्रस्त विश्व को भगवान महावीर के शांति और अहिंसा के उपदेशों की अत्यधिक आवश्यकता है। अतः संगोष्ठी का विषय ''वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता है'' सटीक है। विषय से संबंधित आलेख हेतु विद्वतजन संगोष्ठी के संयोजक डॉ. निर्मल कुमार जैन मो. 98104 80040 या डॉ. वीरचंद जैन मो. 96676 72646 पर सम्पर्क कर सकते हैं तथा वे अपने आलेख के विषय से संगोष्ठी के संयोजक को अवगत कराने का कष्ट करें।

निर्मल - पुष्पा बिन्दायका
बगरू निवासी कोलकाता प्रवासी

EVER GREEN be positive get positive

Evergreen Hosiery Industries Pvt. Ltd.
Corp. Regd. Office : 39, Tara Chand Dutta Street, 2nd Floor
Opp. : Moonlight Cinema, Kolkata - 700 073 (W.B.)
Mobile : 033 4001 0686, 91633 91228, 80131 20773
Email : evergreenhosieryindustries@yahoo.com
Website : www.evergreenhosieryindustries.com

Hello Bebe LITTLE POPS KIDS WEAR

Young India Fashions
Corp. Off. : 39, Tara Chand Dutta Street, 2nd Floor, Opp. : Moonlight Cinema
Kolkata - 700 073 (W.B.) Mob. : 98300 05085, 98302 75490
Factory : Regent Garments & Apparel Park, Block - 23, 5th Floor, Jessore Road
Near Fortune Township, Dist. - 24 Parganas (N) - 743294, Mob. : 98311 31838

MAHAVEER SAREE
Address : 446, Abhishek Market, Ring Road, Surat, 395002 (Gujrat)
Mobile : 75750 41434

EVERGREEN CREATION
Address : 369, Abhishek Textile Market, Ring Road, Surat, 395002 (Gujrat)
Mobile : 97279 82406, 98280 18707

भ. संभवनाथ का मनाया गर्भ कल्याणक

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

फागी कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाड़ा, चैरू, नारेडा मंडावरी, मेंहन्दवास, निमेडा, लसाडिया तथा लदाना के दिगम्बर जैन मंदिरों सहित फागी कस्बे के आदिनाथ मंदिर, पार्श्वनाथ मंदिर, मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, त्रिमूर्ति मंदिर, पार्श्वनाथ चैत्यालय, चंद्र प्रभु नसियां तथा चंद्रपुरी मंदिर सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के तीसरे तीर्थंकर संभवनाथ भगवान का गर्भ कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में त्रिमूर्ति जैन मंदिर में प्रातः अभिषेक, महाशांतिधारा के बाद अष्ट द्रव्यों से पूजा अर्चना की गई साथ ही जैन धर्म के तीसरे तीर्थंकर संभवनाथ भगवान के समक्ष जयकारों के साथ गर्भ कल्याणक का अर्घ्य चढ़ाकर सुख, समृद्धि और शांति की कामना की गई।

सम्मेद शिखर जी के लिए छठी बार 131 यात्रियों का दल वंदना हेतु हुआ रवाना

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

जयपुर से हर वर्ष की भांति पावन तीर्थ सम्मेद शिखर जी के लिए श्री पारसनाथ दिगंबर जैन समाज समिति हीरा पथ के सानिध्य में छठी बार सम्मेद शिखर जी की यात्रा के लिए 131 यात्रियों का दल गुरुवार 14 मार्च को जयपुर जंक्शन से जयकारों के साथ हुआ रवाना। कार्यक्रम में मुख्य संयोजक बाबूलाल बिन्दायका के नेतृत्व में उक्त यात्रा दल वंदना हेतु रवाना हुआ। समाज समिति के अध्यक्ष धन कुमार- मीना कासलीवाल ने बताया कि यात्रियों द्वारा 17 से 25 मार्च तक सम्मेद शिखरजी में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान- शांतिधाम स्थित मंदिर में किया जा रहा है। कार्यक्रम में 17 मार्च को झंडारोहण प्रतिष्ठाचार्य विमल कुमार बनेठा परिवार ने किया, जबकि महामंडल विधान में सौधर्म इन्द्र बनने का सौभाग्य छुट्टन कुमार-उषा बड़जात्या ने प्राप्त किया। मंत्री सुरेंद्र जैन- सुलोचना कासलीवाल ने बताया कि महामंडल विधान में कुबेर इन्द्र

बनने का सौभाग्य कमल किशोर- प्रेम देवी बड़जात्या ने प्राप्त किया। जयपुर जंक्शन पर जहां एक ओर यात्रियों में सम्मेद शिखर जाने की खुशी थी, वहीं दूसरी ओर भगवान पारसनाथ के जयकारे जयपुर जंक्शन पर गूंज रहे थे।

जनकपुरी में चन्द्रप्रभु भगवान का मनाया मोक्ष कल्याणक

संवाददाता

जयपुर। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर में प्रातः श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा तथा अष्ट द्रव्यों से पूजा-अर्चना के बाद भगवान के श्री चरणों में अपने समस्त दुखों की निर्वृत्ति हेतु अर्थात निर्वाण की भावना के साथ आठवें तीर्थंकर भगवान चन्द्रप्रभु के मोक्ष कल्याण पर निर्वाण लाडू समर्पित किया गया। कार्यक्रम में प्रातः अभिषेक, शान्तिधारा व पूजन के बाद निर्वाण काण्ड वाचन कर भगवान के निर्वाण कल्याणक को लाडू पहले बेदी में तथा इसके बाद शिखर पर खड्गाशन प्रतिमा पर सौभाग मल अजमेरा आदि ने समर्पित किया तथा सामूहिक रूप से धर्म प्रभावना के साथ निर्वाणोत्सव मनाया गया जिसमें समाज के गणमान्य व्यक्तियों की सहभागिता रही।

आदिमति महिला मंडल के द्वारा आयोजित फागोत्सव कार्यक्रम में फूलों एवं गुलाल से खेली होली

शिप्रा कासलीवाल बनीं फाल्गुन की रानी

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

जयपुर। फागी कस्बे में स्थित सैफ्रॉन रेजिडेंसी आवास पर आदिमती महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती शिमला नला की अगुवाई में एवं महिला मंडल के तत्वावधान में आयोजित फागोत्सव महोत्सव में अनेक रंगारंग कार्यक्रम किए गए। महिला मंडल की वरिष्ठ सदस्य मुन्ना कासलीवाल ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में श्रीमती मैना झंडा एवं चित्रा गोधा को चीफ गेस्ट के लिए आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कृष्ण का रूप कान्हा

रेणु कागला, राधारानी का रूप सोना कलवाड़ा तथा फाल्गुन की रानी शिप्रा कासलीवाल को सर्वश्रेष्ठ पात्रों में चुना गया। कार्यक्रम में खेलकूद प्रतियोगिता में चित्रा गोधा, मैना झंडा, राजा कासलीवाल, नीतू कठमाना, ज्योति कासलीवाल को पारितोषिक देकर विजेता घोषित किया गया। श्रीमती मैना झंडा एवं चित्रा गोधा ने अवगत कराया कि महिला मंडल की तरफ से उक्त कार्यक्रम में चाय, कोफी, अल्पाहार की पूरी व्यवस्था की गई थी, जिसका महिला मंडल ने जमकर आनंद उठाया। कार्यक्रम के दौरान होली के गीतों पर धमाल हुआ तथा गुलाल, अबीर, फूलों से होली खेली गई एवं होली के विभिन्न गीतों पर महिलाओं ने जमकर नृत्य करते हुए आनंद मनाया। मंच संचालन मुन्ना कासलीवाल किया तथा प्रबं महिला मंडल का आभार व्यक्त किया।

भ. चन्द्रप्रभ का मनाया मोक्ष कल्याणक

संवाददाता

आमेर, 16 मार्च 2024। जयपुर के नजदीक आमेर की सुरम्य वादियों में श्री दिगंबर जैन मंदिर नेमीनाथ (सांवला जी) आमेर परिसर में अति प्राचीन श्री दिगंबर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी स्थापित है, जिसके प्रबन्धकर्ता प्रबन्धकारिणी कमेटी दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी है। क्षेत्र के मानद मंत्री सुभाषचन्द जैन (जौहरी) ने बताया कि शनिवार दि. 16 मार्च 2024 को देवाधिदेव 1008 श्री चन्द्रप्रभ भगवान का मोक्ष कल्याणक दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया, इस शुभ अवसर पर मूलनायक 1008 श्री चन्द्रप्रभ भगवान जी का अभिषेक, शान्तिधारा के उपरान्त पूजा अर्चना कर निर्वाण काण्ड भाषा बोल कर मोक्ष कल्याणक का अर्घ एवं निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र कमेटी के सदस्य अनिल दीवान, क्षेत्र की अन्य मन्दिर- व्यवस्था समिति के सदस्य योगेश टोडरका, प्रदीप ठोलिया, डा. राजेन्द्र कुमार जैन, राकेश छाबड़ा सहित काफी संख्या में साधर्मी लोग उपस्थित थे।

अशोक कुमार-राहुल कुमार कासलीवाल ने प्राप्त किया निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य

संवाददाता

जयपुर। शहर के महारानी फार्म दिगम्बर जैन मंदिर में प्रातः श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा के बाद अष्ट द्रव्यों से पूजा अर्चना की गई। कार्यक्रम में प्रसिद्ध समाजसेवी अशोक कुमार-राहुल कुमार सहित समस्त कासलीवाल परिवार फागी वालों ने श्री जी का प्रथम अभिषेक और शांतिधारा करने का सौभाग्य प्राप्त करने के साथ ही जैन धर्म के 19 वें तीर्थंकर भगवान मल्लिनाथ का मोक्ष कल्याणक का निर्वाण लाडू चढ़ाने का पुण्यार्जन प्राप्त किया। इससे पूर्व सुनिल कुमार जैन तिजारा वालों ने भी प्रथम अभिषेक एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य प्राप्त किया था। उक्त कार्यक्रम में जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन का पूरा सहयोग रहा।

वरूण पथ मानसरोवर में निर्वाण लाडू किया अर्पित

संवाददाता

जयपुर, 16 मार्च 2024। श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर जयपुर में श्री दिगंबर जैन समाज समिति वरुण पथ मानसरोवर द्वारा श्री 1008 भगवान चंद्रप्रभु भगवान के मोक्ष कल्याणक के पावन अवसर पर निर्वाण लाडू अर्पित किया गया। इस अवसर पर तीनों वेदीयों पर विराजमान भगवान के अभिषेक एवं शांतिधारा करने के पश्चात भगवान चंद्रप्रभु जी के मोक्ष कल्याण के पावन अवसर पर निर्वाण लाडू पूर्ण विधि विधान एवं मंत्रोच्चार से अर्पित किया गया। निर्वाण लाडू के पुण्यार्जक के रूप में समाजसेवी श्रीमान निर्मल जी-भंवरी देवी काला, कैलाश-आशा सेठी, विनेश-प्रीती सोगानी, सुरेंद्र-सोनल जैन, राजेन्द्र-उषा झाझरी, दीपेश-निधी अजमेरा, अक्षय-आशा गोधा, चंदा देवी-महेंद्र कासलीवाल ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में ज्ञान बिलाला, कैलाश सेठी, विनेश सोगानी, विनोद छाबड़ा, दिपेश अजमेरा, अरूण जैन, अरविन्द गंगवाल, सन्तोष कासलीवाल, जैनेंद्र पाटनी, कमल जैन, मनीष जैन, संतोष अलका कासलीवाल, सुरेन्द्र जैन, सुनील गोधा, गौरव जैन चाकसू, भंवरी देवी काला, आशा सेठी, सुधा बिलाला, अंजू जैन, उषा झांझरी, कनकलता जैन बांदीकुई, निधि लुहाड़िया भरतपुर, निर्मला पाटनी सहित अनेकों साधर्मी बंधु उपस्थित रहे।

विनम्र निवेदन

धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के अवसर पर जैन समाज के धार्मिक समाचार पत्र जैन गजट को सहायता राशि भेजकर या आजीवन सदस्य 2100/- के बनकर जैन धर्म के प्रचार व प्रसार में सहभागी बनें। आजीवन सदस्यों का फोटो, नाम व स्थान जैन गजट में प्रकाशित किया जाता है। सहायता राशि 1100/- एवं उससे अधिक राशि देने वाले महानुभावों का नाम व पता जैन गजट में प्रकाशित किये जाते हैं।

इंजीनियर्स कालोनी में मोक्ष कल्याणक

संवाददाता

जयपुर शहर की पाश कॉलोनी इंजीनियर्स कालोनी में दिनांक 16.03.2024 को शांतिनाथ मंदिर में जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर चंद्रप्रभु भगवान का मोक्ष कल्याणक पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में मंदिर समिति के प्रबन्धक कमल छाबड़ा ने बताया कि प्रातः श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा, अष्ट द्रव्यों से पूजा-अर्चना के बाद भगवान के समक्ष जयकारों के साथ सामूहिक रूप से मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लड्डू अर्पित किया गया तथा संपूर्ण विश्व में सुख समृद्धि की मंगल भावना भाई गई। उक्त समय प्रमुख समाजसेवी कमल चंद छाबड़ा, महावीर प्रसाद जैन, प्रकाश चंद सेठी, अनिल बोहरा, गिरीश जैन, मनीष जैन, सतीश जैन, श्रीमती आशा जैन, तारा जैन, मीना जैन, इंद्राणी जैन और अन्य श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

जैन गजट को शीघ्र आवश्यकता है

1895 से प्रकाशित हो रहे जैन समाज के सर्वाधिक प्रसार संख्या वाले जैन गजट साप्ताहिक के सदस्य बनाने, विज्ञापन बुक करने एवं जैन समाज के धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के समाचार भेजने हेतु देश भर में जगह जगह संवाददाताओं की शीघ्र आवश्यकता है। आकर्षक कमीशन एवं अन्य लाभ योग्यतानुसार। आवेदन जैन गजट के वाट्सऐप नं. 7505102419 या 9415108233 पर भेजिये। आवेदन प्राप्त होने पर आपसे संपर्क किया जावेगा।

संपर्क - जैन गजट, ऐश बाग, लखनऊ,
मो. 9415008344, 7607921391, 7505102419,
Email- jaingazette2@gmail.com
www.jaingazette.com

कुण्डलपुर में समारोह स्थल का हुआ भूमि पूजन

रत्नेश जैन रागी

कुण्डलपुर (दमोह), 21 मार्च। सुप्रसिद्ध श्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र कुंडलपुर में आगामी 16 अप्रैल 2024 को आयोजित होने जा रहे आचार्य पद पदारोहण अनुष्ठान महामहोत्सव हेतु समारोह स्थल पर भूमि पूजन का कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर राजेंद्र जैन वास्तु इंदौर ने भूमि पूजन का कार्यक्रम संपन्न कराया। पूज्य बड़े बाबा के चरणों में श्रीफल समर्पित कर पूजा अर्चना आज्ञा के पश्चात वास्तु विधान किया गया।

कमिश्नर, डीआईजी सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने किया निरीक्षण : कुण्डलपुर कमेटी के प्रचार मंत्री जयकुमार जलज हटा एवं मीडिया समिति के राजेश रागी बकस्वाहा ने बताया कि कुण्डलपुर में 16 अप्रैल को आयोजित इस महामहोत्सव की विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर सागर कमिश्नर वीरेंद्र रावत, डीआईजी सुनील कुमार जैन, दमोह कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, पुलिस अधीक्षक श्रुत कीर्ति सोमवंशी, एसडीएम राकेश मरकाम, एसडीओपी, लोक निर्माण अधिकारी, तहसीलदार मोहित जैन, थाना प्रभारी अमित मिश्रा के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारीगण कुंडलपुर पहुंचे और कुण्डलपुर कार्यालय में महामहोत्सव के संबंध में कमेटी के पदाधिकारियों से आवश्यक जानकारी लेकर विचार विमर्श किया, कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं के संबंध में आश्वस्त किया और पूज्य बड़े बाबा के दर्शन किए, श्री फल अर्पित किया , आरती की। इस अवसर पर कुंडलपुर क्षेत्र कमेटी के पदाधिकारी व सदस्य के सामाजिक कार्यकर्ता जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

पदाधिकारी दायित्व निभायें या पद त्याग दें

-मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी

गौरेला। पदों पर विराजमान जनों को पदानुरूप दायित्व निभाना चाहिए। उपयुक्त दायित्व का निर्वहन न करना अपराध है। इन्हें कर्म सिद्धान्त के न्यायालय में अनिवार्यतः दंड मिलेगा/मिलता है। जो दायित्व न निभा सके उसे अविलंब पद त्याग देना चाहिए।

कानपुर से कुण्डलपुर पदविहार करते हुये मध्यप्रदेश के छतरपुर में निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री सुधासागर महाराज ने कहा कि पद लालसाओं की पूर्ति का साधन नहीं है, सेवा और दायित्व निभाने का संकल्प है। मंदिर की समितियों, समाज की कमेटियों में पद पाने के लिये लालायित जन ये अच्छे से समझ लें कि आप जिस पद पर हैं उसका दायित्व अपेक्षा से अधिक निभायें। आप पद के साथ न्याय नहीं कर पा रहे हैं तो अविलंब पद त्याग दें। ऐसे अनेक उदाहरण हैं कि पदाधिकारी वर्षों से पदों पर बैठे हैं और कर्तव्यों से विमुख हैं। न स्वयं कुछ करते हैं तथा योग्यजनों को कार्य करने से वंचित रखते हैं।

मुनिपुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा कि ऐसे पदाधिकारियों को कर्म के न्यायालय का दंड अवश्य मिलता है/ मिलेगा। कर्म सिद्धांत के न्यायालय में क्षमा का कोई प्रावधान नहीं है। ऐसे पदारूढ़ों को तत्काल पद त्याग देना चाहिए। आपने बताया कि इन्हें अंतराय कर्म और दरिद्र नामकर्म का दोष लगता है।

-वेदचन्द जैन

ज्योतिषाचार्य डॉ. जैन राजस्थान के ज्योतिष अधिवेशन में सम्मिलित होंगे

ग्वालियर (मनोज जैन नायक)। ग्वालियर के वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य डॉ. हुकुमचंद जैन अनेकांत कॉलेज सलूंबर राजस्थान द्वारा आयोजित अखिल भारतीय राष्ट्रीय ज्योतिष अधिवेशन में 31 मार्च से 02 अप्रैल तक भाग लेकर अपना ज्योतिषीय आलेख सलूंबर, उदयपुर, रणकपुर, माउंट आबू में वाचन करेंगे। इस आयोजन में भारत के जबलपुर, दिल्ली, भोपाल, इंदौर, मुंबई, बैंगलोर, ग्वालियर आदि से चुनिंदा 40 ज्योतिष विद्वान भाग लेकर ज्योतिष के प्रति अपने शोध अनुभव सांझा करेंगे। ज्ञात रहे ग्वालियर के वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य डॉ. हुकुमचंद जैन लगातार 26 वर्षों से ज्योतिष के क्षेत्र में कार्यरत अनेक जटिल मुद्दों पर भविष्यवाणी करते आ रहे हैं और अनेक बार ज्योतिष अधिवेशनों में ग्वालियर से बाहर भाग लेते रहे हैं।

शेष पृष्ठ 1 का....

इस संबंध में निर्यापक मुनि श्री सुधासागर जी महाराज और मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने आज अपने प्रवचन में बताया कि संघ की सहमति व निर्देश अनुसार सभी निर्यापक श्रमण के साथ मंथन व सारे ज्योतिषाचार्य के परामर्श से आखिरकार कुण्डलपुर में आयोजित होने वाले भावी आचार्य पद पदारोहण अनुष्ठान का भव्य ऐतिहासिक कार्यक्रम 16 अप्रैल 2024 को आयोजित होगा। पूज्य मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने कहा कि परम पूज्य गुरुदेव (संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज) के परोक्ष में यह पहला महोत्सव होगा जो ऐतिहासिक महामहोत्सव होगा, हमारी गुरु परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए और गुरुवर की विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखने का एक महा अनुष्ठान कुण्डलपुर में होगा जिसकी 16 अप्रैल 2024 की तारीख पक्की हुई है इसमें कोई भ्रमित न हो। कुण्डलपुर कमेटी के प्रचार मंत्री जयकुमार जलज हटा तथा इस महोत्सव की मीडिया समिति के राजेश जैन रागी बकस्वाहा ने बताया कि आज जैसे ही महामहोत्सव की तिथि निश्चित हुई है वैसे ही कमेटी तथा सभी उप समितियां और अधिक तीव्र गति से सक्रिय होकर अपने अपने कार्यों को अंजाम देने में जुट गए हैं। श्री जलज व रागी ने बताया कि पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के प्रथम ज्येष्ठ श्रेष्ठ मुनि श्री समय सागर जी महाराज को आचार्य पद पदारोहण विधि-विधान से सौंपने का ऐतिहासिक अनुष्ठान होगा। इस महामहोत्सव में पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के समस्त शिष्य श्रमण निर्यापक मुनि, मुनि, ऐलक, क्षुल्लक, आर्यिका व क्षुल्लिका माता जी, ब्रह्मचारी भैया व ब्रह्मचारिणी दीदी आदि सम्मिलित होंगे। इस मौके पर देश विदेश के लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति के अनुसार व्यापक तैयारियां चल रही हैं।

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज को अपार जनसमूह ने अपनी विनयांजलि अर्पित की

बड़ौत। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जीसीएम स्कूल रामबाग कॉलोनी में विद्याधर से विद्यासागर अंतर पुरुष महा यात्री फिल्म बड़ी स्क्रीन पर दिखाई गई। कार्यक्रम में बड़ौत नगर के साथ-साथ बागपत, खेकड़ा, दिल्ली, छतरपुर आदि से भी श्रद्धालु उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम का संचालन करते हुए मध्य प्रदेश छतरपुर से पधारे पंडित अभिषेक जैन जी ने बताया कि आचार्य श्री जैनों के नहीं जन-जन के संत थे, उन्होंने हमेशा त्याग, तपस्या और सत्य के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। जैन ज्योतिष आचार्य रवि जैन गुरुजी ने इस अवसर पर कहा कि आचार्य श्री ने आजीवन नमक, चीनी, घी आदि का त्याग कर दिया था। उन्होंने अपने जीवन काल में 350 से ज्यादा दीक्षाएं प्रदान की हैं और हजारों से अधिक युवा व युवतियों को धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरणा दी है। इस कार्यक्रम में विशेष सहयोग जैन मिलन बलबीर नगर शाहदरा शाखा दिल्ली का रहा। उसके अध्यक्ष अनिल जैन, महामंत्री सिद्धार्थ जैन, विनय जैन, अजय जैन आदि अन्य सदस्यों ने उपस्थिति दर्ज कराई।

श्री मुंबई दिगम्बर जैन सेवा संघ
20वाँ विवाह योग्य युवक–युवती ऑनलाईन/ऑफलाईन
परिचय सम्मेलन

दिनांक 05 मई, 2024 रविवार सुबह 10:00 बजे
फॉर्म भरने की अंतिम तारीख- 20 अप्रैल, 2024
सम्मेलन स्थल: श्री हलारी बीसा ओसवाल समाज हॉल, 118/122, दादासाहेब फाल्के रोड, रणजीत स्टुडियो के सामने, दादर (पूर्व), मुंबई-400014

साधर्मी बन्धुओं,
जय जिनेन्द्र!

दिगम्बर जैन समाज के विवाह योग्य युवक/युवतियों का 20 वाँ विशाल परिचय सम्मेलन ऑनलाईन/ऑफलाईन दिनांक 05 मई 2024 रविवार को सुबह 10.00 बजे रखा जा रहा है। दिगम्बर जैन समाज में विवाह योग्य युवक युवतियों के लिए योग्य जीवन-साथी का चयन करना एक दुर्लभ सा काम है। समस्त दिगम्बर जैन समाज का जातिवाद के तौर पर छोटे-छोटे समाज होने से तथा सामाजिक दायरा कम होने की वजह से योग्य जीवन साथी खोजने में काफी दिक्कत रहती है।

श्री मुंबई दिगम्बर जैन सेवा संघ चाहता है कि दिगम्बर जैन समाज का एक विस्तृत दायरा बने ताकि सुगमता से जीवन-साथी का चयन किया जा सके, इसी बात को ध्यान में रखते हुये संघ विवाह योग्य युवक युवतियों का 20 वाँ विशाल परिचय सम्मेलन का आयोजन करने जा रहा है। इस सम्मेलन का प्रवेश शुल्क रू. 1000/- (1 अप्रैल से रजिस्ट्रेशन शुल्क 1200/- रहेगा) प्रति सदस्य रखा गया है। फॉर्म दिनांक 20 अप्रैल 2024 तक भर कर भेजें ताकि उनके नाम परिचय पुस्तिका में प्रकाशित किये जा सकें, समाज के सभी लोगों को चाहिए कि इस परिचय सम्मेलन में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेकर वर्तमान समय की जरुरत को देखते हुए इस प्रकार के सम्मेलन को सफल बनावें। आने वाले सभी महानुभावों के लिए अल्पाहार एवं भोजन की व्यवस्था है।

संघ के इस अभूतपूर्व अनुकरणीय परिचय सम्मेलन में सभी जरूरतमंद अपनी उपस्थिति दर्ज करायें। आपके तथा आपके निकटतम किसी संबंधी के यहाँ कोई विवाह योग्य युवक-युवती हो तो उनका भी फॉर्म भरकर भिजवा दें।

(अध्यक्ष) कैलाशचंद छाबडा | (महामंत्री) कमल गंगवाल | (कोषाध्यक्ष) CA वर्धमानकुमार कासलीवाल

-: संपर्क :-

निर्मल जैन (टीकमगढ़) 9869002543 ❍ CA संजय राजा जैन 9320062643 ❍ मनोज जैन 9321029234 ❍ मनीष जैन 9821884044 ❍ लायन सुरेश हिंसावत 9920444333 ❍ श्वेता महावीर चांदीवाल 9619570730 परिचय फॉर्म www.sevasamiti.com पर भर सकते हैं।

आचार्य भद्रबाहू सागर जी महाराज की अनमोल वाणी

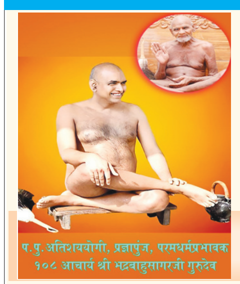

परम पूज्य 108 प्रज्ञापुंज धर्म प्रभावक अतिशय योगी आचार्य श्री भद्रबाहूसागरजी महाराज

जब ईर्ष्या अपना घिनौना सिर उठाती है तो हमारे प्रियजन भी हमारे शत्रु बन जाते हैं

-: नमनकर्ता :-

दीपचन्द गंगवाल, बाराबंकी
श्रीमती नीता जैन, बाराबंकी
श्रीमती अनिता जैन, बाराबंकी
श्रीमती आशु जैन, बाराबंकी
मुदित जैन, प्रयागराज
दिलीप जैन, प्रयागराज ...

महेश जैन, बोदेगांव (महा.)
राकेश जैन, परभनी (महा.)
तुषार मनोज कुमार चौबाकर, परभनी महा.
प्रकाशचन्द्र साउजी, अम्बड़ (महा.)
दिलीप दोषी, मुम्बई (महा.)
सुनिल हीराचन्द दोषी, अकलूज (महा.)

परमपूज्य 108 प्रज्ञापुंज धर्म प्रभावक अतिशययोगी आचार्य श्री भद्रबाहूसागरजी महाराज जी के चरणों में शत शत वन्दन

संकलन: R. K. Advertising शेखर पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता जैन गजट
मो - 09667168267 email: rkpatni777@gmail.com

सम्पादकीय

जगह बनानी है, तो खुद से बाहर झांकिए

हमारा 'मैं' तमाम झगड़ों की जड़ है। भले ही हम इसे किसी भी सुर में बोलते हों, अपने इस प्रिय शब्द 'मैं' को बदलकर 'तुम' कीजिए। सच तो यह है कि ऐसा कोई अपने-आप नहीं करता। जॉर्ज एडम्स का कहना है 'जिस किसी ने भी तुम्हारे साथ दयालुता का कोई भी कार्य किया है या हमें प्रोत्साहन देने वाला कोई भी कार्य किया है या ऐसा एक शब्द भी बोला है, तो उसने हमारे चरित्र निर्माण, विचारों और हमारी सफलताओं में भी अपना योगदान दिया है।'

वेस्ले हुबर कहते हैं, 'आत्म केंद्रित व्यक्ति जैसा निर्जीव व्यक्ति कोई दूसरा नहीं, जो कि अपनी सफलता के लिए खुद को शाबाशी देता है और खुद को खुद से मापता तथा अपने परिणामों पर मुग्ध रहता है।' अपने ही मस्तिष्क में पौराणिक-पुरुष मत बन जाइए।

नर्मन विन्सेंट पेले का खयाल है, जो आदमी खुद के लिए जीता है, वह एक असफल आदमी है। भले ही उसके पास बहुत सारा धन, संपत्ति, शक्ति और रुतबा हो, फिर भी वह नाकामयाब है। अहंकार आदमी को उल्लू बनाता है। एक कहावत कहती है, 'क्या तुमने कोई ऐसा आदमी देखा है, जो अपनी आंखों में अकलमंद हो।' जो आदमी अपने अलावा किसी पर विश्वास नहीं करता, वह एक बहुत छोटी दुनिया में रहता है। खुश रहने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि खुद को भूल जाओ और दूसरों पर ध्यान केंद्रित करो। हेनरी कॉर्टनी का विचार है, आदमी का सिर जितना बड़ा होता जाता है, उसके जूतों में उतनी ही खाली जगह बनती जाती है। अगर घमंड आप को ऊपर उठाता है, तो समझ लीजिए यह गिराने के लिए है। अभिमानी सर हमेशा साबित कर देता है कि सुधार की काफी गुंजाइश है। डाक टिकट भी किसी काम के नहीं रहते, जब उन्हें एक दूसरे के ऊपर चिपकाया जाता है। दुनिया का सबसे कुशल मैग्नीफाइंग ग्लास खुद की आंखें होती हैं। जब हम खुद को एक अन्य व्यक्ति की तरह देखते हैं तब आंखें मैग्नीफाइंग ग्लास का काम करती हैं। अहंकार ऐसी बीमारी है, जिसमें रोगी खुद को बीमार होते हुए भी बेहतर महसूस करता है। यह दूसरे अनुभव करते हैं कि वह बीमार है। उनसे उलट वह अपने आसपास लोगों को बीमार महसूस करता है।

जो लोग हमेशा अपना ढोल पीटते रहते हैं उन्हें शायद ही कभी तारीफ मिलती है। चार्ल्स इलियट सलाह देते हैं 'अपने आपको बड़ा तीसमारखां न समझें। दूसरों के बारे में सोचने की आदत डालें, आपको इसका पुरस्कार मिलेगा। निःस्वार्थ भावना सदा अपना फल देती है।'

जब आप खुद को घमंड के बेलगाम घोड़े पर सवार पाएं तो तुरंत उतर जाएं। उसकी पीठ थपथपाते हुए उस पर हुए उस पर सवार होकर आगे बढ़ने का खतरा न उठाएं। बर्टन हिलिस का कहना है, 'अपने में यकीन होना अच्छी बात है, पर हमें आसानी से अपने बारे में आश्वस्त भी हो जाना चाहिए।' अहंकारी व्यक्ति का सबसे अच्छा मित्र खुद वह व्यक्ति ही हो सकता है, क्योंकि अगर वह स्वयं का अध्ययन निष्पक्ष होकर करे तो पाएगा कि उसमें क्या गड़बड़ियां हैं। किसी भी स्व-निर्मित व्यक्ति का सिर बहुत बड़ा होता है और भुजाएं इतनी लंबी होती हैं कि वह खुद की पीठ थपथपा सके, इसीलिए अहंकारी व्यक्ति कहीं नहीं जा पाता, क्योंकि उसे लगता है कि वह काफी ऊँचा उठ चुका है।

दूसरों के साथ मिलकर काम करें। याद रखिए कोई फल जब तक डाल से जुड़ा है तब तक ही ऊँचा है। अलग होते ही लोग उसका उपयोग अपने स्वाद के लिए कर डालते हैं।

- कपूरचन्द जैन पाटनी
प्रधान सम्पादक

कुण्डलपुर में मुनि संघों का निरन्तर हो रहा प्रवेश

निर्यापक मुनि श्री अभयसागर जी, निर्यापक मुनि श्री संभव सागर जी, मुनि श्री प्रभातसागर जी ससंघ की हुई अगवानी

कुण्डलपुर, 23 मार्च (रत्नेश जैन रागी बकस्वाहा)। दमोह जिले के सुप्रसिद्ध श्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर की पावन धरा पर परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य पूज्य निर्यापक मुनि श्री अभय सागर जी ससंघ, पूज्य निर्यापक मुनि श्री संभव सागर जी ससंघ, पूज्य मुनि श्री प्रभात सागर जी, मुनि श्री चंद्रसागर जी, मुनि श्री आनंद सागर जी महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश हुआ। कुण्डलपुर कमेटी के प्रचार मंत्री जयकुमार जलज हटा तथा महामहोत्सव की मीडिया समिति के राजेश रागी ने बताया कि इस अवसर पर पूज्य मुनि श्री निर्णय सागर जी ससंघ, पूज्य मुनि श्री विराट सागर जी ससंघ, पूज्य मुनि श्री विनम्र सागर जी ससंघ, पूज्य मुनि श्री विशद सागर जी महाराज ससंघ सभी मुनिराजों का मंगल मिलन हुआ। पूज्य आर्यिकारत्न श्री ऋजुमति माता जी ससंघ अगवानी में शामिल रहीं।

कुंडलपुर क्षेत्र कमेटी के पदाधिकारी, सदस्य, ब्रह्मचारी भैया जी, दीदी जी, कुंडलपुर समाज बड़ी संख्या में यात्रीगण, कुंडलपुर स्टाफ आदि की उपस्थिति रही। स्मरण रहे कि आगामी 16 अप्रैल को आचार्य पद पदारोहण अनुष्ठान महामहोत्सव हेतु आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के समस्त शिष्य साधु साध्वी सम्मिलित होने हेतु देश के कोने कोने से आकर एकत्रित हो रहे हैं।

कुण्डलपुर महोत्सव की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने ली समीक्षा बैठक

रत्नेश जैन रागी बकस्वाहा

कुण्डलपुर। दमोह जिले के सुप्रसिद्ध श्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर में आगामी 16 अप्रैल को आयोजित होने जा रहे आचार्य पद पदारोहण अनुष्ठान महामहोत्सव को लेकर कुंडलपुर ऑफिस में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें दमोह कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर एवं पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों के साथ महामहोत्सव की विभिन्न समितियों के प्रभारियों के साथ चल रही तैयारियों की समीक्षा की।

कुण्डलपुर कमेटी के प्रचार मंत्री जयकुमार जलज हटा तथा महामहोत्सव मीडिया समिति के राजेश रागी, संवाददाता जैन गजट ने बताया कि 16 अप्रैल को आयोजित होने जा रहे आचार्य पद पदारोहण अनुष्ठान महामहोत्सव हेतु व्यापक रूप से तैयारियां चल रही हैं जिसकी समीक्षा बैठक में विचार विमर्श करते हुए कलेक्टर तथा एसपी ने सफाई, विद्युत, स्वास्थ्य, बैरीकेड, जलप्रदाय, यातायात, सुरक्षा, जलापूर्ति आदि व्यवस्थाओं के संबंध में सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर कुंडलपुर क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष चंद्रकुमार सराफ, संयोजक वीरेश सेठ, सह संयोजक सुधा मलैया, डॉ. रमेश बजाज, रमेश गोयल, इंजी. आरके जैन, अशोक सराफ, ललित सराफ, स्वतंत्र खिमलासा, पदमचंद खली, संजय कुबेर, अनिल मम्मा, यूसी जैन, मोनू गांगरा, जयकुमार जलज, प्रभात सेठ सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, सदस्य तथा महोत्सव की विभिन्न समितियों के सदस्यों की उपस्थिति रही।

गौरैया दिवसः मानव ऑर्गनाइजेशन की पहल ला रही रंग

उत्कर्ष समूह ने पर्यावरण प्रेमी संस्था मानव ऑर्गनाइजेशन को गौरैया के संरक्षण के लिए किया सम्मानित

ललितपुर। घर के आंगन में बच्चों की तरह पक्षियों की चहचाहट और उनके संरक्षण के उद्देश्य को लेकर नगर की पर्यावरण प्रेमी संस्था मानव ऑर्गनाइजेशन ने सकारात्मक पहल शुरू की है। वर्ष 2012 से गौरैया संरक्षण की दिशा में की जा रही उनकी पहल रंग ला रही है। मानव ऑर्गनाइजेशन जहाँ गौरैया को बचाने के लिए निरंतर स्कूली बच्चों, कॉलेजों, विभिन्न ऑफिस आदि में घोंसले प्रदान करती है, वहीं भीषण गर्मी में पशु पक्षियों को दाना पानी रखने की भी अपील करती रहती है। वहीं गली मोहल्ले, वृक्षों में जाकर घोंसले लगाने, बाटने का क्रम निरन्तर चलता रहता है, 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस पर उत्कर्ष समूह द्वारा मानव ऑर्गनाइजेशन को गौरैया संरक्षण

उत्कर्ष समूह द्वारा गौरैया दिवस पर मानव ऑर्गनाइजेशन को सम्मानित किया गया

की दिशा में 2012 से निरंतर किए जा रहे उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इस मौके पर उत्कर्ष समूह के निर्देशक डॉ. सुनील संचय ने मानव ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष अधिवक्ता पुष्पेन्द्र सिंह चैहान व सचिन जैन बॉस को शाल, श्रीफल, माला, अंग वस्त्र, साहित्य, स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस मौके पर मानव ऑर्गनाइजेशन द्वारा घोसले भेंट किए गए। उत्कर्ष समूह के निर्देशक पर्यावरण सचेतक डॉ सुनील संचय ने बताया कि लोगों की जिम्मेदारी है कि वे पक्षियों के लिए दाना व पानी की उचित व्यवस्था कर अपने जिम्मेदारी का निर्वाहन करें। ताकि खुले आसमान और धूप में विचरण करने वाले पंछियों को राहत मिल सके। मैं हमेशा ही पक्षियों के लिए छत पर दाना-पानी तथा अपने आवास के बाहर पशुओं को पानी की व्यवस्था रखता हूँ। यह मेरी प्रतिदिन की दिनचर्या में शामिल है।

परागिनी जैन ने MBBS की डिग्री प्राप्त की

मुरैना (मनोज जैन नायक) नगर के सुप्रसिद्ध जैन परिवार की बेटी ने एम बी बी एस की डिग्री प्राप्त की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जैन समाज मुरेना के श्रावक श्रेष्ठी एवं सुप्रसिद्ध व्यवसायी प्रेमचंद जैन (बंदना साड़ी) की नातिनी एवं पंकज सारिका जैन की सुपुत्री परागिनी जैन ने इंडेक्स मेडिकल कॉलेज इंदौर से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त की है। अब मुरेना की बेटी परागिनी जैन डॉक्टर परागिनी जैन के नाम से जानी जायेगी। डॉक्टर परागिनी जैन प्रारंभ से ही पढ़ाई लिखाई में अब्बल रहती थी।

बातचीत के दौरान डॉक्टर परागिनी जैन ने बताया कि मुझे डॉक्टर बनने की प्रेरणा आचार्य श्री ज्ञानसागर महाराज से मिली थी। पूज्य गुरुदेव ने मेरा हौसला बढ़ाते हुए मुझे डॉक्टर बनने की प्रेरणा दी थी। साथ ही मेरे माता पिता, टीचर एवं अन्य लोगों का भी मुझे पूर्ण सहयोग मिला। मैं प्रतिदिन लगभग 10 घंटे पढ़ाई करती थी। मैं डॉक्टर तो बन गई, अब मेरा लक्ष्य आगे की पढ़ाई करना है।

परागिनी जैन के डॉक्टर बनने पर उनके निज निवास पर पहुंचकर समाज बंधुओं, शुभ चिंतकों, मित्रों ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान करते हुए बेटी के उज्जवल भविष्य की कामना की।

आचार्य श्री देवनंदी जी का हुआ धर्म नगरी औरंगाबाद में आगमन

एम. सी. जैन, संवाददाता

सुविख्यात दिगम्बर जैनाचार्य राष्ट्रसंत, प्रज्ञाश्रमण सारस्वताचार्य, महान ग्रंथकार, णमोकार तीर्थ प्रणेता, आचार्य मुनि श्री देवनंदीजी महाराज का हतनूर ग्राम की वेदी प्रतिष्ठा संपन्न कर कसाबखेडा, एलोरा, कर्ण पुरा होते हुये धर्म नगरी औरंगाबाद के आर्यनंदी कॉलोनी, वेदांत नगर में 17 मार्च को आगमन हुआ। श्री मानिकचांद जी सेठी परिवार तथा जैन सामाज की ओर से भव्य स्वागत किया गया। आचार्य श्री देवनंदी जी महाराज के विभिन्न मंदिरों के दर्शन कर अतिशय क्षेत्र कचनेर दर्शन हेतु विहार करने की संभावना है।

सुमतिधाम पंचकल्याणक : स्वर्गों के इन्द्रों द्वारा पंचकल्याणक जैसा लगा

टी. के. वेद, इन्दौर

पंचकल्याणक व विधान तो हमने बहुत देखे हैं परन्तु यह पंचकल्याणक देखकर अनुभव कर ऐसा लगा हम किसी और लोक में ही कार्यक्रम देख रहे हैं। कार्यक्रम की लम्बी व विस्तृत रिपोर्टिंग व घटनाओं का विवरण दर्ज करने का एक आशय या मकसद यह भी है कि इतिहास के पन्नों में यह कार्यक्रम दर्ज हो। जो पिछले 200-300 वर्षों में तो सम्पन्न नहीं हुआ एवं आगामी वर्षों में इस स्तर का कार्यक्रम सम्पन्न हो, यह अभी तो कल्पना ही लगता है। जो सुविधायें एवं सौजन्यता दी गई उसका घटनाक्रम अनुसार विवरण इस प्रकार है -

19 इन्द्र व सभी प्रमुख पात्र परिवार के सदस्य या निकट के रिश्तेदार रहे जो मूर्तियाँ स्थापितकर्ता भी रहे परन्तु उनसे इस मद में कोई राशि नहीं ली गई।

1. श्री मनीष सपना गोधा इन्दौर-सौधर्म इन्द्र 2. श्री रमेश गुणमाला काला हैदराबाद-माता-पिता 3. श्री कमलेश सोनाली पाटोदी फरीदाबाद-कुबेर 4. विनोद सरोज गोधा-इन्दौर 5. दिलीप अर्चना गोधा-इन्दौर 6. आशीष एकता गोधा-इन्दौर 7. मयूर विभूति गोधा-इन्दौर 8. अंकित-प्राची गोधा-इन्दौर 9. अंकित रोना डोसी इन्दौर-ब्रह्म इन्द्र, 10. अनिल टीना रांवका इचलकरंजी-लान्तव इन्द्र 11. प्रखर प्राची जैन इन्दौर-शुक्र इन्द्र 12. संजय विम्मी जैन अजमेर-शतार इन्द्र 13. नरेन्द्र कुमार इन्दिरा जैन इन्दौर-आणत इन्द्र 14. राजकुमार सुनीता पाटनी इन्दौर-प्राणत इन्द्र, 15. अविनाश स्वप्निल टोंग्या इन्दौर-आरण इन्द्र 16. अंकित करूणा टोंग्या इन्दौर-अच्युत इन्द्र 17. विजय संगीता बड़जात्या इन्दौर-सोम इन्द्र 18. सुनील प्रतिज्ञा सेठी इन्दौर-सूर्य इन्द्र 19. मनीश शिल्पा गंगवाल इन्दौर-प्रथम आहारदाता

पंजीयन/या रजिस्ट्रेशन

कार्यक्रम के प्रारम्भ में या शुरूआत पंजीयन (रजिस्ट्रेशन) से हुई। लगभग 2 माह पूर्व सभी मंदिरों में इस आशय के फ्लेक्स लगाकर समाजजनों को पंजीयन बाबत अवगत कराया गया। अत्यंत संक्षिप्त जानकारी व एक मिनट में पूर्ण होने वाले फार्म के माध्यम से इन्द्र-इन्द्राणी व अतिथियों का पंजीयन किया गया।

निम्नानुसार पंजीयन हुए -

इन्द्र इन्द्राणी - 2200
प्रति इन्द्र/इन्द्राणी - 380
इन्द्राणी (एकल) - 690
इन्द्र (एकल) - 500
सामान्य अतिथि - 60000
अंतिम दिनों का डाटा संकलित नहीं हो सका।

इन्द्र/इन्द्राणी को दी गई उपहार -

सभी इन्द्र/इन्द्राणियों को उनके पात्रता अनुसार साड़ी/धोती दुपट्टे, माला व मुकुट कोरियर से भेज दिये गये एवं यह लिखना उचित होगा कि इन सामग्रियों की क्वालिटी श्रेष्ठतम रही।

भोजनशाला -

सभी अतिथियों को पात्रता अनुसार भोजनशाला में प्रवेश दिया गया, 6 प्रकार की भोजनशालाएँ बनाई गईं।
1. विशिष्ट/अतिविशिष्ट मेहमान व परिजन
2. इन्द्र-इन्द्राणी भोजनशाला
3. सामान्य अतिथि भोजनशाला
4. शोध का भोजन

यहाँ तक यद्यपि सुविधा के दृष्टिकोण से भोजन शालाओं को 4 भाग में बांटा गया पर भोजन की सामग्री व क्वालिटी एक ही रही।
5. इवेन्ट स्टॉफ व आर्टिस्ट
6. कर्मचारियों व स्टॉफ के लिये किसी भी भोजनशाला में न तो धक्का मुक्की हुई एवं न ही सामान कम पड़ा या परेशानी हुई, सभी के लिये पर्याप्त स्थान व पर्याप्त जगह रही।

देवी अहिल्या की नगरी इन्दौर में विगत 6 मार्च से 11 मार्च तक हुआ था भव्य पंचकल्याणक कार्यक्रम

पाण्डाल मुख्य

लगभग 6000 वर्गफीट का पूर्णतः वातानुकूलित पाण्डाल जिसमें 10,000 मेहमानों के एक साथ बैठने की व्यवस्था थी। किसी भी अतिथि को जमीन पर नहीं बैठना पड़ा। सभी के लिये सोफे - कुसियाँ एवं उत्तम व्यवस्था रही। लाईट - साउण्ड हवा की पर्याप्त व्यवस्था रही। पूरे कार्यक्रम में एक भी समय माईक/साउण्ड बन्द नहीं हुआ।

किड्स झोन Kids Zone

आगन्तुक अतिथियों के छोटे व मध्यम उम्र के बच्चे अपने कार्यों में व्यस्त रहे अतः एक बगीचे को किड्स झोन में परिवर्तित किया गया एवं वहाँ उनकी पसन्द के आमोद/प्रमोद के खिलौने गेम्स, क्वीज व अन्य व्यवस्था की गई तथा पूरे समय चाय, काफी पानी की पर्याप्त व्यवस्था रही।

मेंहदी कार्यक्रम

2 दिन तक महिलाओं के लिये मेहन्दी का कार्यक्रम चला जिसमें 2000 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया।

अधोसंरचना विकास (IntraStructure Development)

सुमतिधाम मंदिर जाने का रास्ता गांधी नगर से सकरी गलियों के बीच से जाने का था। कार्यक्रम के पूर्व ही सुपर कोरिडर से गोम्मटगिरी के मुख्य मार्ग से 3-4 कालोनियों की सड़कों को मिलाकर 80 फीट चैड़ा रोड हो गया एवं एक समय में 30-40 हजार लोगों के एकत्रित होने के बावजूद कोई समस्या नहीं हुई एवं यह रोड अब सदैव चालू रहेगी।

अतिथि आगमन व आवागमन

1. सभी इन्दौर से बाहर से आये अतिथियों को रूकने के लिये रूम व आने जाने के लिये वाहन सुविधा प्रदान की गई।
2. सभी आगन्तुकों को एन्ट्री गेट पर ही रोका गया परन्तु वहाँ से कार्यक्रम स्थल तक जाने-आने के लिये 10 सीटर इलेक्ट्रीकल वाहन लगाये गये। 10 व्हील चेयर धकाने वाले व्यक्ति के साथ रखी गई।
सभी के लिये 2/4 पहिया वाहनो के लिये पर्याप्त पार्किंग रखी गई ताकि सुगमतापूर्वक आना जाना हो सके।

निमंत्रण पत्रिका

इस भव्य कार्यक्रम की एक विशेषता यह रही की कोई पत्रिका प्रकाशित नहीं करवाई गई। स्वयं परिजनों ने इन्दौर के सभी मंदिरों में क्रिस्टल ग्लास का बाक्स जिसमें 8 द्रव्य के लिये 8 चांदी को डिब्बियाँ रखी हुई व कार्यक्रम की जानकारी 11 सुगंधित पेपर अंकित स्वयं मंदिरों में जाकर पदाधिकारियों को निवेदन के साथ दिये गये।

3 मार्च को परम पूज्य आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज का नगर प्रवेश

परम पूज्य आचार्य श्री गोम्मटगिरी से विहार कर सुमतिधाम पधारे एवं अगवानी में इन्दौर का राजकमल बैण्ड, नासिक का बैण्ड, केरल का ढोल बैण्ड, वीटेजकारों का काफिला, हेलिकाप्टर से पुष्पवर्षा, स्थानीय मंदिरों व महिला संगठनों के बैण्ड, इस प्रकार 2 कि.मी. की भव्य शोभायात्रा रही। केरल - अहमदाबाद सूरत, कलकत्ताख मुंबई, दिल्ली, बैंगलोर, इन्दौर, आसाम, पंजाब, चेन्नई की पार्टियों ने स्थानीय रूट मार्ग पर स्टेजों पर नृत्य प्रस्तुत किये।

इस पूरे कार्यक्रम में कोई बड़ी घटना चोरी या नुकसानी (जन-धन) की रिपोर्ट नहीं हुई। पूरे समय सुरक्षा के प्रबन्ध रहे।

एन्ट्री - एक भी श्रावक/अतिथि बिना एन्ट्री पास के मुख्य पाण्डाल व भोजनशाला में एवं कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश न पा सका।

धार्मिक कार्यक्रम

पूरे पंचकल्याणक की विशेषता यह रही कि सभी धार्मिक कार्यक्रम भी उसी विशिष्टता के साथ हुए। 6 प्रतिष्ठाचार्यों व सहयोगियों की टीम रही।

1. श्री प्रदीप जैन मधुर मुंबई 2. श्री चन्द्रकान्त गुडप्पा (उड़ीसा) 3. श्री आनंद उपाध्याये 4. श्री नीतिन झांझरी 5. श्री बा. ब्र. पियुष भैया 6 श्री बा. ब्र. तरूण भैया

पूजन विधान - सभी को टेबल पर ही पूजा के बर्तन, द्रव्य, पूजा की किताबें जापमाला, - जाप का पर्चा पर्याप्त व उच्च व क्वालिटी के द्रव्य के साथ मिला। किसी को कोई सामान मांगना नहीं पड़ा।

पंडित मधुरजी ने चाहे जितना समय ज्यादा लगाया, परन्तु विधान व नियत प्रक्रियाओं से कोई समझौता नहीं किया एवं पूरा विधान कार्यक्रम अत्यंत गम्भीरता से पूर्ण कराया। लगभग 4-5 ग्रंथों का विमोचन भी हुआ।

1. वस्तुत्व महाकाव्य 2. दश धर्म देशना 3. प्रकृष्ठ देशना 4. नेमीनाथ स्तुति (संस्कृत) व अन्य ग्रंथों का विमोचन हुआ। प्रतिदिन आचार्य श्री की 3 कक्षाऐं व 2 प्रवचन अत्यंत गंभीर व महत्वपूर्ण सबको सुनने को व अपने जीवन को बदलने को मिले। लगभग 30 श्रमणों के आहार विहार वैयावृत्ति उपदेश का लाभ सभी को मिला।

भव्यतम मंदिर/एवं संत सदन

नव निर्मित मंदिर जिसमें आयातित पत्थर से मूर्ति का निर्माण यहीं हुआ। मानस्तंभ व 24 मूर्तियों की प्रतिष्ठा हुई जो बाहर से मूर्तियाँ प्रतिष्ठा हेतु आईं उनसे कोई राशि नहीं ली गयी एवं भव्यतम मन्दिर देखते ही आँखें फटी सी रह जावें ऐसा नायाब मंदिर जी बना एवं 50 श्रमणों के लिये उत्तम संत सदन बना जिसका उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान हुआ।

विशेष - पूरे कार्यक्रम में एक भी बोली नहीं लगी। किसी प्रकार की राशि नहीं ली गई। यहाँ तक कि कोई गुल्लक - भण्डार पेटी आदि नहीं रखी गई। कोई सम्मान, श्रीफल भेंट नहीं, कोई व्यवसायिक मंच संचालक नहीं, मात्र आचार्य श्री को निवेदन प्रवचन हेतु भैयाजी द्वारा किया गया। सभी धार्मिक गतिविधियाँ, द्वीप प्रज्जवलन, चित्र अनावरण, पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट, परिजनों द्वारा ही किया गया।

मोटे तौर पर इन 8 दिवसों में कुल मिलाकर 1 लाख से अधिक लोगों ने इसमें भाग लिया व सभी सुविधाओं का आनन्द लिया। इतना अधिक विस्तार से लिखने का मात्र आशय यही है कि इस ऐतिहासिक घटना का विवरण आने वाली पीढ़ियों के लिये एक अभिलेखीय साक्ष्य बने। आज जहाँ धर्म व कार्यक्रमों के नाम पर चारों ओर मारामारी लूट खसौट है। वहाँ एक कार्यक्रम ऐसा भी हो सकता है यह एक नजीर/इतिहास बनना चाहिये।

मार्मिक दृश्य

इस पूरे आयोजन के शिल्पकार प्रणेता भाई मनीष गोधा-सपना गोधा रहे। उन्होंने ही अपने द्रव्य का सत्कार्यों में प्रयोग कर एक उदाहरण प्रस्तुत किया।

आचार्य श्री ने जब कहा कि मनीषजी, सपनाजी अपनी माता के पैर छूकर आशीर्वाद प्राप्त करो। पूरा सदन आंसुओं से भीग गया। आचार्य श्री अपनी भावना को नहीं दबा सके। जिस प्रसन्नता एवं उत्साह से आयोजकों ने पूरे समय आगन्तुकों का स्वागत किया लगता है कोई देवीय शक्ति ही उनमें प्रविष्ठ हो गई। उनके चेहरे पर हावभाव में कोई थकान-चिड़चिड़ापन या परिवर्तन नहीं दिखा। सबसे सहज से मिलने वाला व्यक्ति इतना बड़ा कार्यक्रम करा सकता है, यह देवीय शक्ति का ही प्रभाव है।

आम जनमानस को आकर्षित करने वाले 2 भव्य कार्यक्रम

1. 30 फीट की अस्थायी मूर्ति पी. ओ.पी. की बनाई गई एवं इस मूर्ति पर प्रतिदिन संध्या के समय लेजर शो लाईट एवं साउण्ड का कार्यक्रम किया गया जिसे देखने हेतु श्रावकों की भारी भीड़ रही।
2. ड्रोन शो - ड्रोन कैमरे के माध्यम से आकाश में लगभग 1 घण्टे का भव्य प्रदर्शन हुआ जिसमें णमोकार महामंत्र, आचार्य श्री विद्यासागरजी, आचार्य श्री विशुद्ध सागरजी की छवि व अन्य रचनाऐं दिखाई गईं। संभवतया भारत में प्रथम बार इस प्रकार का कार्यक्रम हुआ एवं संभवतया एयरपोर्ट अथारिटी से भी इस हेतु अनुमति ली गई।

6 दिवसीय पंचकल्याणक के सभी निर्धारित कार्यक्रम समोशरण, जन्म उत्सव, गर्भ उत्सव, तप उत्सव आदि के कार्यक्रम उच्च गुणवत्ता पूर्ण हुए। समग्र रूप से यह सब कार्यक्रम श्री मनीश सपनाजी गोधा के व्यवहार व टीम वर्क के कारण सम्पन्न हो सका। जिनको कार्य का दायित्व दिया गया उन्होंने इसे व्यवसाय के रूप में न लेकर सेवा/समर्पण व धर्म भाव से किया। इवेन्ट मैनेजमेंट मनीश अर्पिता गोधा एवं भोजन प्रभारी श्री अजय जैन जे. एम. बी. भी उनके समर्पण के लिये बधाई के पात्र हैं।

अन्त में कार्य मात्र धन के व्यय से नहीं होता है। कार्य व परिणाम भावनाओं से समर्पण से होता है ख्र इस प्रकार के कार्यक्रम भविष्य में हों, यही भावना।

आचार्य भद्रबाहू सागर जी महाराज की अनमोल वाणी

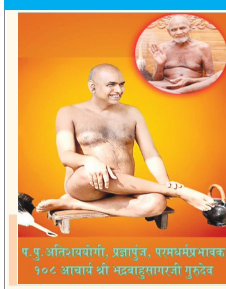

परम पूज्य 108 प्रज्ञापुंज धर्म प्रभावक अतिशय योगी आचार्य श्री भद्रबाहूसागरजी महाराज

जब ईर्ष्या अपना घिनौना सिर उठाती है तो हमारे प्रियजन भी हमारे शत्रु बन जाते हैं

-: नमनकर्ता :-

दीपचन्द गंगवाल, बाराबंकी
श्रीमती नीता जैन, बाराबंकी
श्रीमती अनिता जैन, बाराबंकी
श्रीमती आशु जैन, बाराबंकी
मुदित जैन, प्रयागराज
दिलीप जैन, प्रयागराज ...

महेश जैन, बोदेगांव (महा.)
राकेश जैन, परभनी (महा.)
तुषार मनोज कुमार चौबाकर, परभनी महा.
प्रकाशचन्द्र साउजी, अम्बड़ (महा.)
दिलीप दोषी, मुम्बई (महा.)
सुनिल हीराचन्द दोषी, अकलूज (महा.)

परमपूज्य 108 प्रज्ञापुंज धर्म प्रभावक अतिशययोगी आचार्य श्री भद्रबाहूसागरजी महाराज जी के चरणों में शत शत वन्दन

संकलन: R. K. Advertising शेखर पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता जैन गजट
मो - 09667168267 email: rkpatni777@gmail.com

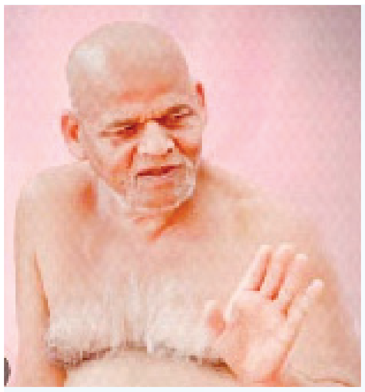

बहुचर्चित व्यक्तित्व और भावी आचार्यश्री

परम पूज्य निर्यापक मुनि श्री समय सागर जी महाराज

डॉ. नरेन्द्र जैन भारती, सनावद

जैन धर्म एवं संस्कृति में मानव के लिए मुनि दीक्षा का विशेष महत्व है। दीक्षा धारण करने वाला महामानव जगत पूज्य बनता है। बोधप्राभृत में आचार्य श्री कुंद कुंद स्वामी लिखते हैं- जो गृहवास व परिग्रह के मोह से रहित होती है, जिसमें 22 परीषहों को सहा जाता है, कषायें जीती जाती हैं, जो पाप के आरंभ से रहित होती है ऐसी दीक्षा जिनेंद्र देव ने कही है। जो शत्रु-मित्र, प्रशंसा-निंदा, हानि-लाभ, तृण - स्वर्ण में समान भाव रखती है ऐसी जिन दीक्षा कही गई है। जिनशासन प्रभावक परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर ने जैन धर्म में दिगंबर मुनि परंपरा के अनुरूप स्वयं चलकर और संघ के साधुओं को मुनि धर्म के सच्चे स्वरूप का दिग्दर्शन कराकर माघ कृष्ण अष्टमी के दिन प्रसिद्ध जैन तीर्थ चंद्रगिरी डोंगरगढ़ में समाधिमरण पूर्वक देह त्याग किया। आपके संघ में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज द्वारा प्रथम मुनि दीक्षित निर्यापक श्रमण मुनि श्री समय सागर जी हैं। परम पूज्य मुनि श्री समय सागर जी महाराज को मुनि दीक्षा ग्रहण किये हुए पैंतालीस साल हो गए हैं। संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से चैत्र कृष्ण पंचमी को आपने सिद्धक्षेत्र द्रोणगिरि जी पर मुनि दीक्षा लेकर इस भावना को साकार रूप प्रदान किया था कि उनकी संसार, शरीर और भोगों में कोई रुचि नहीं है। पूज्य आचार्य श्री के गृहस्थावस्था के भाई ने 27 अक्टूबर 1958 को कर्नाटक के ग्राम सदलगा में जन्म लेकर 2 मई 1975 को ब्रह्मचर्य व्रत, 28 दिसंबर 1975 को क्षुल्लक दीक्षा तथा 31 अक्टूबर 1978 को अतिशय क्षेत्र नैनागिरि जी क्षेत्र पर ऐलक दीक्षा ग्रहण की थी। आपके पिता श्रीमान मलप्पा जी अष्टगे भी मुनि दीक्षित होकर मुनि श्री मल्लिसागर जी बने।

परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि श्री समय सागर जी महाराज का जीवन सहज, सरल एवं स्वाभाविक है। इसी से यह सिद्ध होता है कि वे मुनि अवस्था में भी शांति का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। आपने मुनि दीक्षा धारण कर पूज्य गुरुदेव की प्रत्येक आज्ञा को शिरोधार्य कर अपनी गुरु भक्ति तथा वैराग्य भावना का महान आदर्श उपस्थित किया। आचार्य जी के आज्ञानुसार आपने निर्यापक श्रमण के रूप में पूज्य गुरुवर के सभी निर्देशों का पालन किया। संघ के साधुओं को भी नियमित मुनिचर्या के अनुरूप कार्यों के लिए प्रेरित करते हैं। आपकी ज्ञान, ध्यान और तप साधना अनुपम है। संयम के साथ ''सादा जीवन उच्च विचार'' के भाव के साथ आप सदाचरण का पूरा-पूरा ध्यान रखते हैं क्योंकि आपका मानना है कि शुद्ध आचरण से ही आत्मा का कल्याण संभव है। अतः आप हमेशा ज्ञानार्जन और स्वाध्याय को जीवन का अनमोल कार्य बताकर आत्म साधना में लीन रहते हैं। शरीर का उपयोग तप साधना के लिए करते हैं। आहार उतना ही ग्रहण करते हैं जिससे शरीर धर्म साधना के लिए समर्थ बना रहे। आपका मुनि जीवन हमेशा श्रद्धालुओं के लिए श्रद्धा और आस्था का केंद्र रहा है। कुछ वर्षों पूर्व आपका आगमन सनावद (जिला खरगोन) के समीप स्थित ग्राम मोरटक्का की ओंकारबाग जैन धर्मशाला में हुआ था। आपके संघ में सनावद में जन्मे तथा आचार्य जी से मुनि दीक्षित श्री प्रशस्त सागर जी महाराज का भी आगमन हुआ था। उस समय आपका आशीर्वाद मुझे मिला था। आपके दर्शन इसके पूर्व कई बार आचार्य श्री के संघस्थ मुनियों के रूप में हुए थे परंतु निर्यापक श्रमण बनने के बाद दर्शन करने का मौका मोरटक्का में प्राप्त हुआ। मैंने देखा कि निर्यापक श्रमण के रूप में आप अपने संपूर्ण दायित्वों और कर्तव्यों को सजगता से निभा रहे हैं। परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के समाधिस्थ होने पर उनके समीप रहे पूज्य निर्यापक मुनि श्री योग सागर जी महाराज ने बताया कि आचार्य श्री की परंपरा के आगामी आचार्य श्री समय सागर जी होंगे। आपके पट्टारोहण समारोह की तैयारी प्रसिद्ध जैन तीर्थ कुंडलपुर में आरंभ हो गई है। आपके मुनि दीक्षा दिवस के अवसर पर हम सभी श्रद्धालुजन सादर नमोस्तु निवेदित करते हैं।

खाली पेट फल खायें

डॉ. स्टीफन मैक कैंसर के रोगियों का ''गैर-रूढ़िवादी'' इलाज करते हैं और कई मरीज ठीक हो जाते हैं। अपने रोगियों की बीमारियों के इलाज के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग करने से पहले वह उन बीमारियों के खिलाफ शरीर में प्राकृतिक उपचार पर निर्भर करती है। नीचे उनका लेख देखें -

यह कैंसर को ठीक करने की रणनीति है। हाल ही में कैंसर के इलाज में मेरी सफलता दर लगभग 80 प्रतिशत है। कैंसर के मरीजों की मौत नहीं होनी चाहिए। कैंसर का इलाज पहले ही खोजा जा चुका है, जिस तरह से हम फल खाते हैं। मानो या न मानो यह है। मुझे उन सैकड़ों कैंसर रोगियों के लिए खेद है, जिनकी पारंपरिक उपचार के तहत मृत्यु हुई है।

फल खाना - हम सभी सोचते हैं कि फल खाने का मतलब सिर्फ फल खरीदना, उन्हें काटना और अपने मुंह में रखना है। यह उतना आसान नहीं है जितना आप सोचते हैं। फलों को कैसे और कब खाना चाहिए, यह जानना जरूरी है।

फल खाने का सही तरीका - खाना खाने के बाद फल न खाएं। फलों का सेवन खाली पेट करना चाहिए। यदि आप खाली पेट फल खाते हैं तो यह आपके सिस्टम को डिटॉक्सीफाई करने में प्रमुख भूमिका निभाएगा, जिससे आपको वजन घटाने और जीवन की अन्य गतिविधियों के लिए बड़ी मात्रा में ऊर्जा मिलेगी। फल सबसे महत्वपूर्ण भोजन है।

मान लीजिए आप ब्रेड के दो टुकड़े और फिर एक फल का टुकड़ा खाते हैं। फल का टुकड़ा पेट से होकर सीधे आंतों में जाने के लिए तैयार होता है, लेकिन फल से पहले ली गई रोटी से ऐसा करने से रोका जाता है। इस समय के दौरान रोटी और फलों का पूरा भोजन सड़ जाता है और किण्वित हो जाता है और अम्ल में बदल जाता है। जैसे ही फल पेट में भोजन और पाचक रस के संपर्क में आता है, भोजन का पूरा द्रव्यमान खराब होने लगता है। तो कृपया फल खाली पेट या भोजन से पहले खाएं।

आपने लोगों को शिकायत करते सुना है:- जब भी मैं तरबूज खाता हूं तो मुझे पानी आता है, जब मैं खरबूजा खीरा या ककड़ी खाता हूं तो मेरा पेट फूल जाता है, मेरा मन करता है कि जब मैं केला खाता हूं तो शौचालय की ओर दौड़ता हूं, आदि। दरअसल, खाली पेट फल खाने से ये सब नहीं होगा।

फल अन्य खाद्य पदार्थों के पैटर्न के साथ मिश्रित होता है और गैस पैदा करता है और इसलिए आप फूल जाएंगे। खाली पेट फल खाने से सफेद बाल, गंजापन, घबराहट और आंखों के नीचे काले घेरे ये सब नहीं होगा।

इस मामले पर शोध करने वाले डॉ. हर्बर्ट शेल्टन के अनुसार कुछ फल जैसे संतरे और नींबू अम्लीय होते हैं, क्योंकि हमारे शरीर में सभी फल क्षारीय नहीं होते हैं। यदि आपने फल खाने के सही तरीके में महारत हासिल कर ली है तो आपके पास सुंदरता, लंबी उम्र, स्वास्थ्य, ऊर्जा, खुशी और सामान्य वजन का रहस्य है।

ताजा फलों का रस ही पियें - जब आपको फलों का रस पीने की आवश्यकता हो ताजा फलों का रस ही पियें, डिब्बे, पैक या बोतल से नहीं। साथ ही गरम किया हुआ जूस न पिएं। पके फल न खाएं क्योंकि आपको बिल्कुल भी पोषक तत्व नहीं मिलते हैं। आपको बस इसका स्वाद लेना है। खाना पकाने से सभी विटामिन नष्ट हो जाते हैं।

जूस पीने से बेहतर है कि साबुत फल खाएं - यदि आप ताजे फलों का रस पीते हैं तो इसे अपने मुंह में धीरे-धीरे पिएं, क्योंकि आपको इसे निगलने से पहले अपनी लार के साथ मिलाना चाहिए।

शरीर को शुद्ध या विषहरण करने के लिए 3 दिन के फल उपवास करें - शरीर को शुद्ध या विषहरण करने के लिए 3 दिन के फल उपवास पर जा सकते हैं। सिर्फ फल खाएं और ताजे फलों का जूस पिएं।

कीवी - यह पोटेशियम, मैग्नीशियम, विटामिन ई और फाइबर का अच्छा स्रोत है। इसमें संतरे से दोगुना विटामिन सी होता है।

सेब - रोज एक सेब खायें और डॉक्टर को दूर रखें। हालांकि सेब में विटामिन सी की मात्रा कम होती है, लेकिन इनमें एंटीऑक्सिडेंट और फ्लेवोनोइड्स होते हैं जो विटामिन सी की गतिविधि को बढ़ाते हैं, जो पेट के कैंसर, दिल के दौरे और स्ट्रोक के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

स्ट्रॉबेरीज - स्ट्रॉबेरी में उच्चतम कुल एंटीऑक्सीडेंट शक्ति होती है और शरीर को कैंसर, रक्त वाहिकाओं की रुकावट और मुक्त कणों से बचाती है।

संतरा - दिन में 2-4 संतरे खाने से सर्दी, कम कोलेस्ट्रॉल, गुर्दे की पथरी को रोकने और भंग करने और आंत्र कैंसर के खतरे को कम करने में मदद मिल सकती है।

तरबूज - 92 प्रतिशत पानी से बना, यह भारी मात्रा में ग्लूटाथियोन से भी भरा होता है, जो हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने में मदद करता है। वे ऑक्सीडेंट लाइकोपीन का भी एक प्रमुख स्रोत हैं जो कैंसर से लड़ता है। तरबूज में पाए जाने वाले अन्य पोषक तत्व विटामिन सी और पोटेशियम हैं।

अमरूद और पपीता - अमरूद: फाइबर से भी भरपूर होता है, जो कब्ज को रोकने में मदद करता है।

पपीता: कैरोटीन से भरपूर होता है, यह आंखों के लिए अच्छा है।

जैन जगत आर्थिक, सामाजिक व राजनैतिक सशक्तिकरण की बजाय बर्बादीकरण पर ही क्यों टिका है ?

- राजेन्द्र जैन

कुछ समय से पहली बार मुझे खुशी हुई और आत्मा में संतोष मिला है कि जैन समाज में अल्पसंख्यक फायदे के साथ आर्थिक व राजनीति में समाज को मजबूत बनाने को लेकर अब कई जगहों से कोई सही चिंतन व गम्भीर मन्थन शुरू हुआ है, हमारा दुर्भाग्य है कि समाज के उत्थान, प्रगति, उन्नति, उच्च शिक्षा, अच्छी नौकरी, अच्छे व उच्च शिक्षा से लेकर प्रशिक्षण के अच्छे-अच्छे इंस्टिट्यूशन और सामूहिक सामाजिक ऊर्जा की चेतना व जैनों की राजनीतिक पकड़, भागीदारी व आर्थिक ताकत की सामूहिक शक्ति के जागरण की जगह हमारे यहाँ सिर्फ पूरे वर्ष भर धार्मिक आधार पर तीन काम ही हो रहे हैं -

पहला बड़े चौमासों के आयोजन व उन पर विशालकाय खर्चा, फिर वर्ष भर में जगह-जगह नए मंदिरों व नए धर्म स्थलों के निर्माण के बाद उनके उद्घाटनों के भव्य आयोजनों में करोड़ों का व्यय तथा खर्चीले उपधान तप व अन्य प्रकार के तपों व तपस्या के दिखावटी अतिरंजित बेशुमार खर्चीले कार्यक्रम। अखातीज के नाम पर

अत्यधिक धन वैभव की बर्बादी से भरे आयोजन, देश भर में सैकड़ों राजशाही ठाठबाट के लाखों लाख खर्च वाली भव्याति भव्य दीक्षाओं के धमाल, तीर्थ यात्राएँ, अद्भुत खर्चीली निनयण्णु फेरी, सैकड़ों जगह राष्ट्रीय स्वघोषित संत के बनते पहलनुमा धामों के विशालकाय खर्चीले बजट की पूर्ति और फिर वर्ष भर शादियों की गलाकाट प्रतिस्पर्धा से भरे वैभवपूर्ण सगाई, मामेरा, लेडीज संगीत की फुअड़ता, निर्लज्ज तमाशे भरी शादियाँ व अन्य दूषित सामाजिक रीति रिवाजों के नाम पर अतर्जित कुरीतियों, विकृतियों व विषमताओं के दिखावे की अय्यासी की बेशर्म खुमारी के अंतःहीन बोझ तले हम इतने अखंड डूबे रहते हैं कि समाज ने तो अब मितव्ययिता, अपरिग्रहवाद, सामाजिक लाज व मर्यादा को जैसे पलीता लगा डाला है। हमारे मंदिरों में करोड़ों रुपए देव धर्म खाते के नाम पर समाज के अगिवानों के घरों व व्यापार में समृद्धियाँ व सम्पन्नता बढ़ा रहे, मगर उनका समाज के किसी तरह के हित में प्रयोग नही हो रहा है।

कुल मिलाकर समाज का विकास व समाज के आसन्न संकट की बजाय धर्म को तो धन की चौखट और धर्म के नायकों और धनवानों के स्वार्थी गठजोड़ ने धर्म व समाज दोनों को अपनी गिरफ्त में इस तरह जकड़ लिया है और समवेगी व सामूहिक ऊर्जा व शक्ति को इस कदर निगल लिया है कि न हम हमारे समाज को सही दिशा दे पा रहे, न समाज अपने संकटों से बाहर आ पा रहा है। दिन प्रतिदिन समाज कमजोर, गरीब व शक्तिहीन बना नाना प्रकार की त्रासदियों का शिकार हो रहा है और हमारा राजनीतिक वजूद का वर्चस्व तो 2014 के बाद न केवल खत्म हो गया बल्कि उसका दाह संस्कार हो चुका है। हालत इतने दयनीय हो गए है कि जैन संख्या में एक करोड़ होते हुए भी आज संसद में एक जैन सांसद नहीं है। वहीं मात्र पाँच लाख संख्या वाले माहेश्वरी समाज के आठ सांसद, दो केंद्रीय मंत्री व लोकसभा का अध्यक्ष है, अग्रवाल समाज जो संख्या में हम से कम है, उसके लोकसभा व राज्यसभा में दस सांसद हैं, चार केंद्र में मंत्री हैं। जैन जगत के तीस प्रतिशत लोग गरीबी के नीचे, बीस प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से ऊपर किन्तु निम्न मध्यम हैं और बीस प्रतिशत मध्यम हैं किन्तु वे EMI याने कर्ज व ऋण के मकड़ जाल में फँसे जीने की आकाँक्षाओं की बलिवेदी पर पर ही चढ़े संघर्ष, संकट व संत्राप का जीवन जी रहे हैं। उच्च स्तर पर IAS, IPS व IRS बनाने को लेकर कुछ लोगों के पुरुषार्थ को हजारों बार प्रणाम करके कह सकता हूँ कि अभी भी कुछ लोग हैं। एक बात याद रखना कि जिस कौम की दखल व पकड़ सत्ता, शासन, प्रशासन व न्याय व्यवस्था में नहीं होगी और पार्टियाँ उसके वोट पाने के लिए घुटनों के बल पर नही टिकेगी तब तक उसकी न कहीं आवाज होगी न उसको कोई पूछेगा। जो कौम सिर्फ वोट देने भर का औजार ही रहेगी और जिस कौम के नेता समाज को न्याय दिलाते संसद व सत्ता में समुचित भागीदारी दिलाने में असमर्थ रहते कौम को राजनैतिक गुलाम ही बनाए रखेंगे। उन नेताओं का भी यही हश्र होगा और जो कौम इन त्रासदियों में भी मूकदर्शक व निष्क्रिय बनी रहेगी व हर मोड़ व हर स्तर पर अपने को तबाही के मंजर में ही पाएगी इसीलिए कवि मन कहता है

-जिस कौम को तमस् से भरे अंधकार में ही जीना पसन्द आता है उसकी चैखट पर प्रकाश का उजाला भी ठिठुरते उलटे पाँव दौड़ जाता है।

डेह में हुआ समाधि स्थल का शिलान्यास

आर्यिका श्री अमरमति माताजी, आर्यिका श्री इन्दुमति माताजी एवं आर्यिका श्री धरणीमति माताजी के समाधि स्थल का हुआ शिलान्यास

डेह, नागौर। दिनांक 14.03.2024 वार गुरुवार को गाँव डेह, तहसील जायल, जिला नागौर राजस्थान में आर्यिका श्री 105 अमरमति माताजी (ग्रहस्थ नाम स्व. श्रीमती सोहनी देवी जैन सेठी) धर्मपत्नी स्व. श्री हरकचंदजी सेठी डेह निवासी, तिनसुकिया, दिल्ली, सीतापुर, लखनऊ, सिल्चर प्रवासी मातुश्री स्व. श्री निर्मल कुमार जी सेठी भूतपूर्व अध्यक्ष (श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा), श्री हुलासचंदजी सेठी तिनसुकिया, महावीर प्रसाद जी सेठी सिल्चर, स्व. श्री दिनेश कुमारजी सेठी दिल्ली, अनोपदेवी जैन पांड्या गोरखपुर, गीतादेवी गंगवाल सिल्चर, ब्र. मुन्नी देवी गंगवाल सिल्चर, सरोज देवी पांड्या गोहाटी, संतोष देवी गंगवाल दिल्ली, एवं आर्यिका श्री 105 इन्दुमति माताजी एवं आर्यिका श्री 105 धरणीमति माताजी के समाधि स्थल का

''शिलान्यास'' श्री पदमप्रभु चैत्यालय के पास ग्राम ''डेह'' में श्री धर्मेन्द्र सेठी दिल्ली (पुत्र स्व. श्री निर्मल कुमारजी सेठी), श्री संतोष सेठी डेह, श्रीमती अनोप देवी पांड्या गोरखपुर, मंजु देवी सेठी डेह के करकमलों द्वारा एवं जैन समाज के गणमान्य महानुभाव की उपस्थिति में श्री महावीरजी पांड्या, पवन जी पहाड़िया, देवेन्द्रजी पांड्या, पवनजी पांड्या, महावीरजी पहाडिया, कमल कुमार जैन बाकलीवाल अजमेर/दिल्ली, देवजी सबलावत, पवनजी सेठी, ललितजी सेठी, शैलन्द्रजी सेठी, किशोरजी सेठी, विनितजी सेठी, सोनुजी सेठी, धर्मचंद जी सबलावत, सुशीलजी जैन नागौर, पुखराज जी सेठी, मनोज जी पहाड़िया, सुनील जी पांड्या, रोमी जी सेठी, हुलासचंदजी बाकलीवाल, श्रीमती सोनुजी सेठी, सीमा जी सेठी, मंजुजी सेठी, पूजाजी सेठी, पुष्पाजी जैन, संगीता जी पांड्या, चन्दुबाई जी, पुष्पाबाईजी, प्रभाबाईजी, सुलोचना देवीजी, देवीकांताजी एवं समस्त उपस्थित जैन समाज के पुरुष, महिलाओं के सानिध्य में ब्र. चीकु भईयाँजी जयपुर के द्वारा सानन्द सम्पन्न कराया गया। सभी उपस्थित एवं आसपास क्षेत्र एवं बाहर से पधारे सभी जैन समाज के लोगों ने इस शुभ कार्य के लिए खुशी जाहिर की।

कार्यक्रम के पश्चात् श्री धर्मेन्द्र जी सेठी दिल्ली द्वारा सभी का आभार प्रकट किया गया एवं सबको अवगत कराते हुये अनुरोध भी किया कि तीनों समाधि स्थल का उद्‌घाटन 1 जुलाई 2024 वार सोमवार को अमरमति माताजी की पुण्य समाधि दिवस पर किया जायेगा, जिसमें समस्त समाज सम्मिलित होकर अपने गाँव की शान बढ़ावें।

- कमल कुमार जैन बाकलीवाल, अजमेर/दिल्ली

आचार्य विशुद्धसागरजी ससंघ का मंगल प्रवेश

धामनोद/महाराष्ट्र (मनोज जैन नायक) धामनोद नगर में आचार संहिता लगते ही धर्ममय नगरी हो गया। जैन धर्म के नहीं विश्व जगत के चलते फिरते भगवन महामुनिराज चर्या शिरोमणि आचार्य 108 श्री विशुद्धसागरजी ससंघ के साथ 33 मुनिराज का विशाल संघ का आगमन हुआ जो धामनोद नगर के गुलझरा से भव्य शोभायात्रा के साथ बैंड बाजों के साथ धार्मिक भजनों की लहरों के बीच जय जयकारों के साथ भारी संख्या के साथ जैन धर्मावलंबियों की कतारों के साथ चल रहे थे। इस अवसर महामुनिराज श्री विशुद्धसागरजी महाराज ने अपने प्रवचन में भारी संख्या में उपस्थित श्रावक व श्राविकाओं को कहा कि देव शास्त्र व गुरु पर सदैव अपनी आस्था रखें, श्रद्धा रखें व धर्म को उसके तत्वों को अच्छी तरह जीवन में समझने का प्रयास करें जिससे यह जीवन जैसा भौगोलिक जीवन में चमकता है ऐसा मोक्ष में भी चमके। जानकारी मीडिया प्रभारी दीपक प्रधान समाज अध्यक्ष राकेश जैन ने दी। आभार सचिव सन्दीप मंडलोई ने माना।

भगवान मल्लिनाथ निर्वाण लाडू भक्ति भाव पूर्वक चढ़ाया गया

विजय कुमार जैन

भगवान ऋषभदेव दिगम्बर (बड़ी मूर्ति) जैन मंदिर रायगंज स्थित जैन मंदिर में जैन समाज की सर्वोच्च साध्वी गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के ससंघ सानिध्य में भगवान मल्लिनाथ का 11 किलो का निर्वाण लाडू चढ़ाया गया।श्री विजय कुमार जैन मंत्री अयोध्या तीर्थक्षेत्र कमेटी ने बताया है कि इस अवसर पर भक्तों को आशीर्वाद देते हुए गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ने कहा कि कलयुग में पुण्य सम्पादन भगवान की भक्ति के अलावा ओर कोई साधन नहीं करा सकती है। कलयुग में भगवान की भक्ति ही संसार सागर से तिराने में मुख्य साधन है। आज सभी को अधिक से अधिक भगवान की भक्ति करके पुण्योपार्जन करना चाहिए। इस अवसर पर प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका चंदनामती माताजी के मार्गदर्शन में समस्त कार्यक्रम सम्पन्न किए गए। समस्त कार्यक्रम संस्थान के पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामीजी के नेतृत्व में सम्पन्न किए गए। आगामी 3 अप्रैल को भगवान ऋषभदेव की जन्म जयंती आयोजित करने के संदर्भ में एक मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें सम्पूर्ण अवध से

सदस्यगण सम्मिलित हुए, मुख्य रूप से श्री अमरचंद जी जैन लखनऊ, ऋषभ जैन तहसील फतेहपुर, आदीश जैन (सर्राफ) लखनऊ, सिद्धार्थ जैन लखनऊ, पारस जैन, परमेंद्र जैन, बबुआ निधेश जैन, जवाहरलाल जी जैन, विजय जैन दिल्ली, नितिन जैन, पंकज जैन बिलहरा, जीवन प्रकाश जैन, विजय कुमार जैन हस्तिनापुर आदि सम्मिलित हुए। सायंकाल को भगवान मल्लिनाथ की 108 दीपकों से आरती सम्पन्न की गई।

समाधिमरण की इच्छा जाहिर करने वाली शकुंतला जैन का निकला डोला

आगरा। मोतीकटरा में रहने वाली श्रीमती शकुंतला जैन (ध.प. श्री प्रकाशचंद जी गोधा)ने समाधि ले ली। 21 दिनों से आहार और तीन दिन से जल का त्याग कर समाधिमरण की इच्छा जाहिर की थी। उन्होंने सल्लेखना कर मृत्यु को महोत्सव में बदल दिया। णमोकार मंत्र और परमात्मा की जय-जयकार के साथ उनका डोला मोतीकटरा अग्रवाल दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर से शुरू होकर पूज्य पृथ्वीचंद समाधि स्थल पचकुइयां पर पहुंचा और मुखाग्नि दी गई। डोला यात्रा के दौरान आर्यिका जी का सान्निध्य रहा। उन्होंने सल्लेखना की इच्छा व्यक्त की तो उनके भाई पदम सेठी निवासी विदिशा ने आचार्य भगवंत विद्या सागर जी के संघस्थ ब्रह्मचारिणी हेमा दीदी व सुलोचना दीदी निवासी विदिशा से संपर्क किया। तुरंत ही आचार्य भगवंत के शिष्य परम प्रभावक श्री मुनि 108 निर्वेग सागर जी महाराज के आशीर्वाद से दो प्रतिमा का संकल्प लिया। 17 फरवरी से संलेखना की साधना शुरू कर दी। सकल जैन समाज के राजकुमार जैन ने बताया कि 22 फरवरी को उन्होंने आचार्य भगवंत के शिष्य मुनिराज अजित सागर जी महाराज से सात प्रतिमा लेकर गृह त्याग कर दिया। अपनी साधना के साथ 21 दिन तक चारों प्रकार के आहार त्याग किया। तीन दिन के उपवास के साथ चारों प्रकार के आहार व जल का त्याग भी कर दिया। संल्लेखना भौतिक शरीर त्याग की जैन समाज की महत्वपूर्ण विधि है। इस दौरान अध्यक्ष पवन कुमार जैन, मंत्री पंकज जैन, कोषाध्यक्ष संजीव जैन, सुनील जैन, नेमीचन्द जैन, भागचंद जैन एवं प्रकाशचंद गोधा, चिराग जैन आगरा, सचिन जैन अजमेर, हर्षित जैन अजमेर अन्य मौजूद रहे।

शिरपूर जैन में आचार्य श्री प्रबलसागरजी महाराज की केशलोंचन विधि संपन्न

विनोद रोकड़े जैन, मालेगांव

वाशिम। महाराष्ट्र प्रांत के वाशिम जिले की पुण्यभूमि शिरपूर जैन स्थित श्री 1008 अंतरिक्ष पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महातीर्थ के मुख्य द्वार खुलने का संकल्प पूर्ण होने पर 151 करोड़ णमोकार मंत्र जाप प्रणेता, मेवाड़ रत्न, गिरनार उपसर्ग विजेता, आचार्य श्री 108 प्रबलसागरजी महाराज की पवली मंदिर में केशलोंचन विधि 21 मार्च 2024 प्रात 9.20 पर चालू होकर 11 बजे तक आनंद उत्सव संगीतमय वातावरण के साथ संपन्न हुई।

सिद्धों की आराधना जीवन की सबसे बड़ी साधना है

- आचार्य प्रमुख सागर जी महाराज

बंगाईगाव। श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर (बंगाईगांव) में अष्टान्हिका पर्व के उपलक्ष में आयोजित श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान के अवसर पर आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि सिद्धों की आराधना-उपासना हमारे जीवन की सबसे बड़ी साधना है। इस साधना के लिए हमें परमात्मा और पूजन का साधन जुटाना पड़ता है। इस अवसर पर ससंघ के निदर्शन में भगवान की शांतिधारा, अभिषेक के साथ इंद्र-इंद्राणियों सहित विधान के प्रमुख पात्रों द्वारा संगीत लहरियों के साथ पूजा अर्चना कर विधान के 16 अर्घ्य चढ़ाए गए। इस अवसर पर संध्याकालीन आरती के पश्चात रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया जिसमें समाज के गणमान्य लोगों के अलावा काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। यह जानकारी सुनील कुमार सेठी एवं मुनि सेवा समिति के चेयरमैन मनोज कुमार रारा द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

कागजों के पीछे दौड़ने वालों की जिंदगी कागज सी हो जाती है

नमनकर्ता: महाराष्ट्र महोत्सव समिति, हिंगणघाट, पुसेगांव, दिग्रस, गांधी ग्रामादि

जैन गजट प्रतिनिधि-विनोद मंगलचंद रोकड़े जैन, मालेगांव, वाशिम (महा.) मो. 9604341810

परम पूज्य भारत गौरव राष्ट्रसंत गणाचार्य श्री विरागसागरजी गुरुदेव ससंघ का महाराष्ट्र की ओर मंगल विहार

वर्धा। महाराष्ट्र में कहावत है कि साधु संत येती घरा तोची दिवाली दशहरा- म.प्र. राजस्थान वाले वर्ष में एक बार दिवाली दशहरा मनाते हैं पर महाराष्ट्र में जिस नगर में व शहर में साधु संतों का समागम रहता है, आगमन होता है वहाँ हर रोज दिवाली दशहरा सा माहौल होता है, उक्त उद्गार परम पूज्य श्रमण मुनिश्री 108 विशेषसागर जी गुरुदेव ने सुपार्श्वनाथ दिग. जैन मंदिर में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहे।

पूज्य मुनिश्री ने आगे कहा कि जिस नगरी में दिगम्बर संतों का आगमन होता है वहाँ सोना सोना हो जाता है। महाराष्ट्र को संतों की नगरी कहा गया है, महाराष्ट्र वालों का सातिशय पुण्य उदय में आने वाला है। लगभग 25-26 दिन में परम पूज्य भारत गौरव राष्ट्रसंत विशाल संघ नायक गणाचार्य श्री 108 विरागसागरजी महामुनिराज अपने विशाल संघ सहित महाराष्ट्र में मंगल प्रवेश करेंगे। हर व्यक्ति को पूज्य गुरुदेव की सेवा, वैयावृत्ति करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। भगवान महावीर स्वामी के 2550 वें निर्वाण महोत्सव के शुभावसर पर परम पूज्य आचार्य भगवन के पावन सानिध्य में हिंगणघाट, पुसेगांव, दिग्रस व गांधी ग्राम में पंचकल्याणक महोत्सव का आयोजन किया गया है। इस महा अनुष्ठान को ''महाराष्ट्र महोत्सव'' नाम दिया गया है। पूज्य गुरुदेव के पावन सानिध्य में महाराष्ट्र महोत्सव का प्रथम प्रतिष्ठा महोत्सव दिनांक 21 अप्रैल से 27 अप्रैल 2024 तक हिंगणघाट जिला वर्धा में सम्पन्न होगा। परम पूज्य श्रमण मुनिश्री 108 विशेषसागर जी गुरुदेव को महाराष्ट्र प्रांत में 9 वर्ष हो गया, -पूज्य आचार्य श्री के आशीष से व पूजय श्रमण मुनिश्री 108 विशेषसागर जी गुरुदेव की प्रेरणा से सावदा, धामणगांव, फैजपुर, सिंदखेड, रिसोड़, मुलावा, अनसिंग, अकोला, देऊघाट, मालेगांव में जीर्णोद्धार

कार्य पूर्ण हुआ तथा बोरगांव वसु में नये मंदिर का निर्माण हुआ एवं हिंगणघाट, दिग्रस में जीर्णोद्धार कार्य शुरु है। सर्वज्ञ तीर्थ पुसेगांव व गांधी ग्राम में नये मंदिर का कार्य शुरु है। उक्त जानकारी अर्थव जैन मुलावा ने दी है। दिनांक 16.03.2024 को प्रातः 9 बजे प. पू. राष्ट्रसंत गणाचार्य श्री 108 विरागसागर जी महामुनिराज ससंघ का अतिशय क्षेत्र श्रेयांसगिरि से सर्वज्ञ तीर्थ पुसेगांव जिला हिंगोली की ओर मंगल विहार हुआ।

- संपर्क सूत्र अथर्व जैन मुलावा 9976601008/विनोद रोकडे जैन मालेगांव

राजकीय अतिथि आचार्य श्री प्रमुख सागर जी महाराज के अनमोल सूत्र

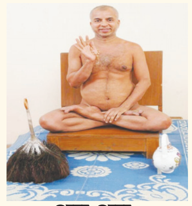

शत् शत् नमन वंदन

अनेक लोग क्रोध को हथियार के रूप में प्रयोग करते हैं, नम्रता का कवच पहने रहिये व सुरक्षा का अनुभव कीजिये

प्रभावना दिवाकर, श्रमण धर्म प्रभाकर, करूणा सागर, अहिंसा तीर्थ-प्रणेता, राष्ट्रसन्त, पंजाब श्रावक उद्धारक, सरलमना, ग्राम मन्दिर उद्धारक, इटावा गौरव, संस्कार प्रणेता, गुण-गौरव शिरोमणि, पुरुषार्थ के पुरुषोत्तम, श्रमण-गौरव, राजकीय अतिथि, राष्ट्रसन्त, बालयोगी के चरणों में शत-शत नमन

-: नमनकर्ता :-

श्रीमती प्रभा सेठी, गुवाहाटी
श्रीमती रिंकी सेठी, विजयनगर
श्रीमती सोनल पाटनी, कोलकाता
श्रीमती शिम्पल सेठी, आठगांव, गुवाहाटी
श्रीमती चन्द्रा बड़जात्या, गुवाहाटी
श्रीमती रूपा रारा, गुवाहाटी
सुभाष चूड़ीवाल, दिसपुर, गुवाहाटी
राजकुमार टोंग्या, रेहाबाड़ी, गुवाहाटी
विनोद कुमार गंगवाल, छत्रीबाड़ी, गुवाहाटी
पूर्वोत्तर प्रदेशीय दिगम्बर जैन महिला संगठन, गुवाहाटी
श्रीमती हेमा पाटनी, पान बाजार, गुवाहाटी
श्रीमती कुसुम बड़जात्या, गुवाहाटी

राजकीय अतिथि आचार्य श्री प्रमुख सागर जी महाराज दिसपुर में विराजमान हैं।

संकलन: R. K. Advertising शेखर पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता जैन गजट मो - 09667168267 email: rkpatni777@gmail.com

38वीं पुण्यतिथि 30.03.2024 पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि

धर्मनिष्ठ, सरल स्वभावी, व्यवहार कुशल, हमारे प्रेरणास्रोत

स्व. श्री भंवर लाल जी छाबड़ा

जन्मतिथि 1913 - स्वर्गवास 30.03.1987

"आपकी स्मृतियां आपकी छवि विस्मृत हो ना पाएगी, आपका व्यवहार आपकी बातें सदैव याद आएगी।"

-: श्रद्धासुमन अर्पितकर्ता :-

मंगलचंद, हरकचंद-प्रेमलता, मोतीलाल-चंद्रप्रभा, कमलचंद-तारादेवी (पुत्र-पुत्रवधु), चिरंजीलाल जी सेठी-कांता देवी, महावीर प्रसाद जी पाटनी-महेश देवी (बेटी-दामाद), मनीष-निशा, सपन-रजनी, रवि-रितु (पौत्र-पौत्रवधु), ममता-शरद सेठी (पौत्री-दामाद), मोहन्शी, कथांश, आरवी, दैविक, वैदिक, संभव (प्रपौत्र-प्रपौत्री) आदि समस्त छाबड़ा परिवार।

-: प्रतिष्ठान :-

❍ मनीष इंटरप्राइजेज (ए क्लास इलेक्ट्रिकल कांट्रेक्टर) ❍ मनीष छाबड़ा एंड कंपनी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ❍ एस. आर. ब्रदर्स (इलेक्ट्रिक सामान के विक्रेता) ❍ रवि एंटरप्राइजेज (ए क्लास इलेक्ट्रिकल कांट्रेक्टर)

1008 श्री दि. जैन शांतिनाथ चैत्यालय, इंजीनियरिंग कॉलोनी, मान्यावास मानसरोवर, जयपुर मो. 9314019230, 9928012288

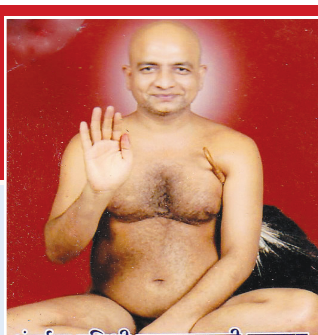

अंतर्मना मुनिश्री प्रसन्नसागरजी महाराज

चापलूस लोग कोई काम करें या ना करें, लेकिन कान भरने का काम पूरी ईमानदारी से करते हैं।

भारत गौरव, साधना महोदधि, तपाचर्य, तप शिरोमणी, युवा दिव्रत की अद्भुत साधना करने वाले दिगम्बरत्व संत समाज के एक मात्र संत अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी गुरूदेव के चरणों में शत शत नमन, वंदन, अर्चन

शत् शत् नमन्
शत् शत् वंदन
महाराज जी धर्मनाथ भवन, जिला बेलगांव (कर्नाटक) में विराजमान हैं।

राजेन्द्र कटारिया
अहमदाबाद

चन्दू काला
जे. के. मसाला

मुकेश जैन
संघपति (चेन्नई)

प्रस्तावित
नाम

विज्ञापन प्रेषक: R.K.Advertising मदनगंज किशनगढ़ द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatin777@gmail.com

समस्या समाधान - रवि जैन गुरूजी

प्रश्न 1. मेरा डायरी बनाने का कारखाना है। पिछले कुछ दिनों से मेरा व्यापार चल नहीं रहा है, मैं क्या करूं? कोई उपाय बतायें - श्रीमन्दर जैन, दिल्ली

उत्तर - श्रीमन्दर जैन जी, आपकी कुंडली के दशम भाव में अगांरक दोष है। पिछले 1 साल से आपकी कुंडली में मंगल की दशा चल रही है, जिस कारण आपका व्यापार प्रभावित है। आप श्री वासुपूज्य जी का चालीसा व श्री भक्तामर स्तोत्र का 28वां काव्य 9 बार पढ़ें।

प्रश्न 2. मेरी बहन की शादी को 2 साल हुये है, मगर उसका वैवाहिक जीवन ठीक नहीं है, उसका भविष्य कैसा रहेगा? - चन्दन जैन, भरतपुर (उ.प्र)

उत्तर - आपकी बहन की कुंडली में चल रही शनि की ठैय्या उसकी परेशानी का मुख्य कारण है, लगभग 1 साल बाद शनि की ठैय्या की समाप्ति के साथ ही उसकी समस्या भी हल हो जायेगी। रोजाना श्री मुनिसुव्रतनाथ जी का चालीसा पढ़ें।

प्रश्न 3. मेरे पास तीन पुत्र है, एक पुत्री को हम गोद लेना चाहते है, क्या यह ठीक है - अमरनाथ, अल्मोड़ा

उत्तर - अमरनाथ जी, इस कार्य में आपको देरी नहीं करनी चाहिये। आप प्रयास करें, जल्द सफल होंगे।

प्रश्न 4. मेरी बेटी उल्टे हाथ से कार्य करती है, इसका कोई नेगेटिव प्रभाव तो नहीं है - मोनिका तंवर, दमोह

उत्तर - मोनिका जी, उल्टे हाथ से काम करने से कोई नेगेटिव प्रभाव नहीं पड़ता, अतः आप परेशान ना हों और निश्चित रहें।

गुरु जी से संपर्क सूत्र-
9990402062, 8826755078

TATA PLAY Channel No. 1086 | dishtv Channel No. 1109 | DEN Channel No. 266
आदिनाथ टी वी
Channel No. 1217 d2h | Channel No. 700 airtel | Channel No. 842 hathway
एवं अन्य सभी टीवी केबल पर उपलब्ध

आज का राशिफल
जैन ज्योतिषाचार्य
रवि जैन गुरूजी
द्वारा आदिनाथ चैनल पर प्रतिदिन
प्रातः 06:20 बजे
दोपहर 02:15 बजे
संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतीय जैन ज्योतिषाचार्य परिषद् (पंजी.)
विवाह, मकान, व्यापार, संतान, प्रमोशन, परीक्षा, विदेश यात्रा आदि समस्याओं का समाधान जैन आगम के अनुसार प्राप्त करने के लिए सम्पर्क करें :
1/6991, शिवाजी पार्क, शाहदरा, दिल्ली - 32
M. 011 22325069, 9990402062, 8826755078

20वां विवाह योग्य परिचय सम्मेलन

श्री मुम्बई दिगम्बर जैन सेवा संघ मुम्बई द्वारा आयोजित 20वां विशाल विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन 05 मई 2024 रविवार को ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से होने जा रहा है, जिसकी रजिस्ट्रेशन की अंतिम तारीख 20.04.2024 है। इच्छुक युवक युवती फार्म भरने के लिए एवं अन्य जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट पर www.sevasamiti.com देखें। अध्यक्ष-कैलाशचंद छाबड़ा, महामंत्री-कमल गंगवाल, कोषाध्यक्ष सीए वर्धमानकुमार कासलीवाल, संयोजक-निर्मल जैन (टीकमगढ़)-9869002543, मनीष छाबड़ा-9821884044, मनोज छाबड़ा-9321029234, संजय राजा जैन-9320062643, लायन सुरेश हिंसावत-9920444333, श्वेता महावीर चांदीवाल-9619570730

आचार्यश्री सुविधि सागर जी के सान्निध्य में पाण्डिचेरी में सिद्धचक्र मण्डल विधान का भव्य आयोजन

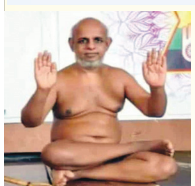

परम पूज्य आचार्यश्री गुलाबभूषण जी महाराज

श्रीमती अर्चना भरत कोठारी, पाण्डिचेरी

पाण्डिचेरी में 17 मार्च से बड़ी धूमधाम से सिद्धों की आराधना सिद्धचक्र मण्डल विधान का जोर-शोर से आयोजन किया गया। जिसमें सकल दिगम्बर जैन समाज के लोगों ने भाग लिया। परम पूज्य तपश्चर्या-चक्रवर्ती आचार्य श्री सुविधि सागर जी महाराज के श्रीमुख से सिद्धचक्र मण्डल विधान के अर्घ्य आचार्य श्री गुलाबभूषण महाराज जी के मुख से सुनने का सौभाग्य पाण्डिचेरी वालों को प्राप्त हुआ जिसमें सौधर्म इन्द्र डा. महावीर कानमल, अशोक कुमार, निखिल, नितिन स्नेहिल, तनीस एवं समस्त कासलीवाल परिवार को प्राप्त हुआ। धर्मनगरी पाण्डिचेरी में अष्टान्हिका महापर्व धूमधाम से सम्पन्न हो रहे हैं। आर्यिका सुविधिमती माताजी एवं आर्यिका गणिनी विशिष्टमती माताजी का एवं 10 आर्यिका क्षुल्लिका संघ का सान्निध्य पाण्डिचेरी वासियों को प्राप्त हुआ।

9वीं पुण्यतिथि 30.03.2024 पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि

स्व. श्री निहालचंद जी मोदी फागी वाले

श्रद्धासुमन अर्पितकर्ताः

श्रीमती रूकमणी देवी (पुत्रवधु), राजुल ध.प. स्व. श्री रमेश चंद, महावीर-इलायची देवी (पुत्र-पुत्रवधु), धर्मचंद-पिंकी, विनोद-मोना, पारस-हेमा, दीपक-नीलम, अशोक-प्रिया, पंकज-नीलू (पौत्र-पौत्रवधु), ऋषभ, निधि, आरची, स्वस्ति, टप्पू, रक्षित, आनु, दक्षि, मिक्कू, सम्यक एवं वासु कार्तिक सहित समस्त मोदी परिवार फागी वाले

प्रतिष्ठानः निहालचंद, महावीर प्रसाद, श्री मुनिसुव्रत नाथ ट्रेडर्स, फागी, जयपुर-303005 (राज.) मो. 9928993532

जैन गजट की सदस्यता, विज्ञापन या सहयोग राशि 'जैन गजट' के पक्ष में पंजाब नेशनल बैंक, राजेन्द्र नगर शाखा, लखनऊ- 226004 उ.प्र. में सेविंग खाता संख्या 2405000100102500 (RTGS/NEFT IFSC CODE - PUNB 0185600) में आनलाइन/चैक द्वारा जमा कराकर डिपोजिट स्लिप सहित अपने पूर्ण नाम-पते, पिन कोड सहित निम्न पते/वाट्सअप/ईमेल पर भेजकर सूचित करने की कृपा करें-

जैन गजट कार्यालय- श्री नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, मिल रोड, ऐशबाग, लखनऊ- 226004
मोबा./वाट्सअप- 7607921391, मोबा. 7505102419
Email: jaingazette2@gmail.com

सौरभ सागर वचन

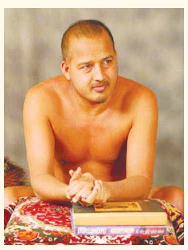

सबके प्रति भाई-भाई की दृष्टि रखने से आप सदा प्रेम युक्त रह सकेंगे

-: नमनकर्ता :-

- राजुलाल जी बैनाडा, पचाला वाले जयपुर
- श्रीमती स्नेहलता सौगानी, जयपुर
- दिनेश चन्द कासलीवाल, जयपुर
- नीरज जैन, जयपुर
- श्रीमती रत्ना जैन(सुरजमल विहार, दिल्ली)
- श्रीमती ऊषा जैन, आगरा
- रमेश चन्द तिजारिया, जयपुर
- धर्मचंद पहाड़िया, जयपुर
- कुशल ठोल्या, जयपुर
- जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति
- प्रदीप जैन, मेरठ
- सारिका जैन, मेरठ

ज्ञानयोगी, संस्कार प्रणेता, जीवन आशा हॉस्पिटल प्रेरणास्रोत आचार्य सौरभ सागर जी जयपुर में विराजमान है।

संकलनः R. K. Advertising शेखर पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता जैन गजट
मो - 09667168267 email: rkpatni777@gmail.com

आधुनिक टेक्नोलॉजी से छत को रखे वाटरप्रूफ, हीटप्रूफ, वेदर प्रूफ पायें सीलन, लीकेज एवं गर्मी से राहत व बिजली के बिल में भारी बचत करें।
छत व दीवारों का बिना तोड़फोड़ के सीलन का निवारण
For Your New & Old Construction
एडवान्स टैक्नोलोजी
सुरक्षित निर्माण

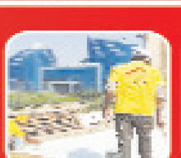

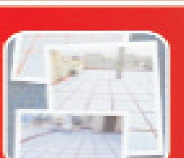

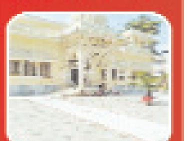

Pidilite DR. FIXIT WATERPROOFING EXPERT
Rajendra Jain
Dr. Fixit Authorised Project Applicator
80036-14691
DOLPHIN WATERPROOFING
116/183, Opp. D-Mart, Agarwal Farm, Mansarovar, Jaipur

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

अध्यक्ष
गजराज जैन गंगवाल
मो. 09810900009

कार्याध्यक्ष
रमेश जैन तिजारिया
मोबा. 08290950000

महामंत्री
प्रकाशचंद्र जैन बड़जात्या
Mob- 09840213132

कोषाध्यक्ष
पवन गोधा
मो. 9311198985

प्रधान सम्पादक
कपूरचन्द जैन (पाटनी)
मो. 09864118950, 0 9854050969
Email- k.c.jain39@gmail.com

परामर्शक सदस्य
शिवचरणलाल जैन, मैनपुरी
मो. 09219160350
बसन्त कुमार शास्त्री, शिवाड़
मो. 08107581334

सम्पादक
सुधेश कुमार जैन, लखनऊ
मो. 09415108233, 9369025668
नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, ऐशबाग, लखनऊ- 226004 (उ0प्र0)
jaingazette2@gmail.com

सह सम्पादक (मानद)
डॉ. श्री महावीर शास्त्री, सोलापुर
मो. 09422457582
राजेन्द्र जैन 'महावीर' सनावद
मो. 9407492577
सुनील 'संचय' ललितपुर
मो. 9793821108

लखनऊ प्रधान कार्यालय प्रबंधक प्रकाशक एवं मुद्रक
सुभाषचन्द्र गुप्ता
मोबा. 09415008344

दिल्ली मुख्य कार्यालय प्रबंधक
स्वराज जैन
मोबा. 09899614433
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा, 5, राजा बाजार, खण्डेलवाल जैन मंदिर कॉम्प्लेक्स, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली -1
011-23344668, 23344669,
digjainmahasabha@gmail.com
www.digjainmahasabha.org

जैन गजट की सदस्यता
वार्षिक (एक वर्ष) रू. 300
आजीवन (दस वर्ष) रू. 2100
निर्धारित रियायती साधारण डाक से
कोरियर से मंगाने पर
अतिरिक्त शुल्क- दिल्ली, उ.प्र.
रू. 1000 अन्य प्रदेश रू. 1500

'जैन गजट' में विज्ञापन
देने हेतु सम्पर्क-
7607921391,
9415008344,7505102419
जैन गजट में प्रकाशनार्थ लेख, फोटो, समाचार, विज्ञापन आप ईमेल
jaingazette2@gmail.com
पर भेजें

स्वत्वाधिकारी श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक सुभाषचंद्र गुप्ता द्वारा हिंदुस्तान मीडिया वेंचर्स लिमिटेड, विभूति खंड, गोमती नगर लखनऊ उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं श्री नंदीश्वर फ्लोर मिल कंपाउंड मिल रोड, ऐशबाग लखनऊ 226004 उ प्र. से प्रकाशित, संपादक सुधेश कुमार जैन

तीर्थक्षेत्र कमेटी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री जम्बू प्रसाद जैन का हुआ सम्मान समारोह

स्वराज जैन, टाइम्स ऑफ इण्डिया

भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी दिगम्बर समाज की 122 वर्ष प्राचीन संस्था है जिसके नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री जम्बू प्रसाद जैन के सम्मान में एक आभार कार्यक्रम का आयोजन हिन्दी भवन सभागार, गाजियाबाद में 10 मार्च 2024 को किया गया।

समारोह में दिगम्बर जैन समाज के अधिकांश संस्थाओं के अध्यक्ष, पदाधिकारी, बुद्धिजीवी एवं अनेक गंमान्य व्यक्तियों ने भाग लेकर श्री जम्बू प्रसाद जी के सम्मान में आभार व्यक्त किया और सम्पूर्ण देश में स्थित दिगम्बर तीर्थक्षेत्रों के चहुंमुखी विकास और उसकी सुरक्षा का प्रारूप प्रस्तुत किया।

मुनिश्री प्रतिज्ञानंद जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमें अपनी शक्ति को कम नहीं आंकना चाहिये। हमारा समाज एक कर्मठ समाज है। उन्होंने सुझाव दिया कि तीर्थक्षेत्र कमेटी द्वारा शिखर जी में सभी टोंकों के चारों कोने पर कलश स्थापित किया जाना चाहिये जिससे तीथक्षेत्र की समुचित सुरक्षा होगी।

श्रद्धेय मां श्री कौशल अपनी अस्वस्थता के बावजूद समारोह में पधारीं। उन्होंने समाज श्रेष्ठियों से तीर्थक्षेत्र कमेटी को भरपूर सहयोग का आह्वान किया। तीर्थक्षेत्र वो जगह है, जहां से तीर्थंकर मोक्ष गये। वहां जाकर बैठने से सुकून मिलता है तथा असाध्य रोग दूर हो जाते हैं। श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के अध्यक्ष श्री गजराज जैन गंगवाल ने सम्पूर्ण दिगम्बर समाज को सुसंगठित होने की आवश्यकता पर बल दिया। समाज को कोई व्यक्ति यदि आगे बढ़कर कुछ करने की लालसा व्यक्त करता है तो हम सबको उसे प्रोत्साहित करना चाहिये। यदि हमें धर्म की रक्षा करनी है, श्रमण संस्कृति को बचाना है तो हमें समन्वय कर संगठित होना पडेगा। उन्होंने तीर्थक्षेत्र कमेटी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष को आश्वासन दिया कि सम्पूर्ण महासभा परिवार आपके जनहितैषी कार्यों में सदैव खड़ा रहेगा।

श्री गजराज जैन गंगवाल ने बताया कि सम्मेद शिखर जी की समस्याओं के समुचित समाधान तथा उसके विकास हेतु वे भारत सरकार के मंत्री तथा झारखण्ड के मुख्यमंत्री से मिले थे। मुख्यमंत्री महोदय ने उसके समुचित समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने जैन समाज के चारों सम्प्रदायों से एक होकर आगामी लोकसभा चुनाव में जैन प्रत्याशियों को अपना समर्थन देने का अनुरोध किया। इस संदर्भ में महासभा राजनैतिक दलों के अध्यक्ष से जैन समाज को समुचित प्रतिनिधित्व देने हेतु प्रयासरत है। हमारे समाज के प्रतिनिधि लोकसभा में हमारी समस्याओं के निदान हेतु समुचित कदम उठायेंगे।

प्रख्यात जैन विद्वान श्री अनुपम जैन ने कहा कि विद्वान सदैव तीर्थक्षेत्र कमेटी के साथ रहे हैं और रहेंगे। किसी भी संगठन को चलाने के लिए मेन पावर की जरूरत होती है और उनको टेंउ्ड करने के लिए हम सभी विद्वानों का सहयोग सदैव आपके साथ है। डाक्यूमेंटेशन, सर्वे-एनालिसिस करने में विद्वानों का उपयोग जरूर करें। उन्होंने तीर्थक्षेत्र कमेटी के निर्वाचित महामंत्री श्री संतोष पेंढारी जी के पत्र का वाचन भी किया। तीर्थंकर यूनीवर्सिटी के श्री सुरेश जैन ने आशा व्यक्त की कि हमें नव निर्वाचित अध्यक्ष पर विश्वास है कि समाज जो भी दायित्व उन्हें सौंपेगा, उसे वह निष्ठा और ईमानदारी से पूरा करेंगे। श्री विजय जैन लुहाड़िया ने कहा कि हमें जरूरी कानूनी कागजात सुदृढ़ रखने चाहिये जो हर तीर्थक्षेत्र की मूलभूत आवश्यकता है। श्री हंसमुख गांधी ने आभार व्यक्त करते हुये कहा कि बाबूजी एक संकल्प लेकर आये हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि उनके कुशल नेतृत्व में कमेटी बहुत आगे जायेगी। श्री जवाहरलाल जी जैन ने आशा व्यक्त की कि बाबूजी के नेतृत्व में सभी के सहयोग से तीर्थक्षेत्र कमेटी सफलता के एक नये आयाम पर पहुँचेगी।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में स्वामी श्री रविन्द्र कीर्ति जी ने कहा कि प्रत्येक संस्था का अपना-अपना दायरा है। तीर्थों पर विवाद आए तो तीर्थ संरक्षण के लिये तीर्थक्षेत्र कमेटी द्वारा कार्य होना चाहिये। नाना प्रकार की संस्थाएं विरोध रैलियां निकालती हैं। हम सरकार के साथ मीटिंग करके मामले को सुलझायें तो ज्यादा कार्य होगा और प्रदर्शन की जरूरत है तो संस्थाओं की समन्वय समिति को फैसला लेकर घोषणा करनी चाहिए। बाबू जम्बू प्रसाद जी ने संतों का आर्शीवाद लिया, समाज का सहयोग लेकर यह पद ग्रहण किया है, उन्होंने अनेक विजन रखे हैं। उनमें से प्रमुख विजन-तीर्थों का विकास और सुरक्षा को ही प्राथमिकता देते हुये कार्य करना है। मोदी जी के कथन -'सबका साथ, सबका विकास' को चरितार्थ करते हुए पदाधिकारी, टीम, परामर्श मंडल, अपनी टीम के साथ जम्बूप्रसाद जी को आगे बढ़ना है। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. जीवन प्रकाश जैन जम्बूद्वीप के मंगलाचरण तथा चित्र अनावरण द्वारा किया गया। भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के अध्यक्ष श्री गजराज जैन गंगवाल, तीर्थंकर यूनीवर्सिटी के कुलाधिपति श्री सुरेश जैन, श्री विजय लुहाड़िया के साथ श्री जम्बूप्रसाद जी ने दीप प्रज्ज्वलन किया। कार्यक्रम का संचालन श्री जीवेन्द्र जैन ने किया। श्री जम्बूप्रसाद जी की पुत्रवधु स्वाति जैन, नीतु जैन और छवि जैन ने अभिनन्दन गीत प्रस्तुत किया। समारोह में श्री शरद कासलीवाल, श्री गजेन्द्र बज, श्री आदीश जैन सी.ए, श्री स्वराज जैन, टाइम्स ऑफ इण्डिया, श्री नानकचन्द जैन, श्री पवन घुवारा, टीकमगढ़ तथा श्री अशोक क्रांतिकारी जतारा (टीकमगढ़) आदि की समारोह में गरिमामयी उपस्थिति थी।

मन की एकाग्रता के साथ सिद्ध भगवान की पूजन अर्चना करने से मानसिक और शारीरिक दु:ख दूर होते हैं

-आचार्य श्री वर्धमान सागर

पारसोला (राज.)। पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज संघ सहित पारसोला में विराजित हैं। श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान आराधना महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन पारसोला में 17 मार्च से 26 मार्च तक आयोजित किया गया। आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने धर्म सभा में उपदेश में बताया कि भगवान बनने का गुण और शक्ति सभी प्राणियों में है, पुरुषार्थ कर शक्ति गुण क्षमता को प्रकट कर भगवान के नित्य दर्शन, अर्चना पूजन, स्वाध्याय, अभिषेक विधिपूर्वक करने से आप भी सिद्ध बन सकते हैं। भगवान की भक्ति नृत्य करते समय हमारी भावना यही होनी चाहिए कि मैं भी आप जैसे बन सकूं आपके गुण प्राप्त कर सकूं, हमारी आत्मा पर जो कर्मों का आवरण है वह कर्म हटने पर, क्षय होने पर ही गुण प्रकट होते हैं। यह मंगल देशना पारसोला सन्मति भवन में आयोजित धर्म सभा में आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने प्रकट की। ब्रह्मचारी गज्जू भैया, राजेश पंचोलिया इंदौर अनुसार आचार्य श्री ने आगे बताया कि प्रतिदिन देव दर्शन, अभिषेक पूजन, स्वाध्याय, त्याग, तप, संयम आत्मा के चिंतन का महान पुरुषार्थ करने से आत्मा परमात्मा बन सकती है। महामंडल विधान की भक्ति पूर्वक एकाग्रता से पूजन करने से इच्छाओं की पूर्ति सुख शांति और पुण्य मिलता है।

पंजीकृत समाचार पत्र
R.N.I. NO. 59665/92

Posted at R. M. S, Char bagh, Lko. on
Every Monday, wednesday and thursday

डाक पंजीयन संख्या :
SSP/LW/NP/115/2024-2026

If Undelivered Please Return To : Publisher- Jain Gazette
C/o Sri Nandishwar Flour Mills Compound, Mill Road, Aish bagh,
Lucknow - 226004 (U. P.) (INDIA) Mob. 9415108233,
7505102419, 7607921391 Web site- jaingaztte.com
email- jaingazette2@gmail.com whatsapp 7607921391

To,

एक प्रति का मूल्य 3/- रुपये (कार्यालय से लेने पर)

वार्षिक सदस्यता शुल्क 300/-,
दस वर्षीय आजीवन शुल्क 2100/-
(डाक/कोरियर से मंगाने पर खर्च अतिरिक्त देय होगा)

जैन गजट संबंधी सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा। लेखक के विचारों से संस्था या सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।